RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:51 ता. 13 अगस्त 2023, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

यूपी में लिफ्ट वाला कानून लागू करने जा रही है योगी सरकार

नोएडा। नोएडा और गाजियाबाद समेत उत्तर प्रदेश के सभी महानगरों में रहने वाले लोगों के लिए यह अच्छी खबर है। प्रदेश सरकार ने सदन में कहा है कि लिफ्ट और एस्केलेटर अधिनियम लागू किया जाएगा, जिसको लेकर कार्रवाई चल रही है। नोएडा के विधायक पंकज सिंह की ओर से इस संबंध में सदन में कहा गया था कि गौतमबुद्धनगर में बहुमंजिला आवासीय भवनों, वाणिज्यिक, संस्थागत भवनों और शॉपिंग कॉम्प्लेक्सों की संख्या अधिक है। जहां पर लिफ्ट और एस्केलेटर की संख्या भी बढ़ी है और इनमें मानकों के अनदेखी के कारण आए दिन हादसे होते हैं, जिनमें अनेक लोगों की मौत भी हो चुकी है। इन घटनाओं को लेकर लोगों में भय व्याप्त है, जिसके चलते वर्तमान में लिफ्ट और एस्केलेटर एक्ट लागू करने की अत्याधिक आवश्यकता है। वह इस मामले को 21 जनवरी 2023 को लखनऊ में आयोजित मेरठ मंडल की समीक्षा बैठक में भी उठा चुके हैं। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने भी इस संबंध में सदन में सवाल लगाया था कि मेरे गृह जनपद में लिफ्ट से संबंधित घटनाएं बढ़ी हैं और हाल ही में एक महिला की मौत भी लिफ्ट हादसे में हुई है। लिफ्ट एक्ट का मसौदा पीडब्ल्यूडी के पास तैयार है, जिसे कैबिनेट में अनुमोदन के पश्चात सदन में रखा जाना है। विधायकों द्वारा उठाए गए इस मामले में सरकार की ओर से ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने इसका जवाब देते हुए कहा है कि सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी रेगुलेशन-20210 के प्रावधानों के तहत विद्युतीय अधिष्ठापनों को विद्युत सुरक्षा निदेशालय द्वारा निरीक्षण के उपरांत रिपोर्ट जारी की जाती है। नोएडा और गौतमबुद्धनगर जनपद में स्थापित विभिन्न लिफ्ट और एस्केलेटर्स के विद्युतीय अधिष्ठापनों का विद्युत सुरक्षा निदेशालय द्वारा निरीक्षण कर रिपोर्ट जारी की गई है। प्रदेश में बढ़ते शहरीकरण और ऊंची इमारतों के प्रसार से लिफ्ट का प्रयोग बढ़ा है। सरकार के इस जवाब के बाद तय है कि प्रदेश में शीघ्र ही लिफ्ट एक्ट लागू होगा। नोएडा प्राधिकरण की तरफ से लिफ्ट एक्ट लागू करने के लिए एक प्रस्ताव वर्ष 2015 में शासन को भेजा था, जो अभी तक मंजूरी के इंतजार में हैं।

फिर विदेश दौरे पर जाने वाले हैं राहुल गांधी, अपने बयानों से खड़ा कर चुके हैं बवाल

● राहुल गांधी अकसर जब विदेश यात्रा पर जाते हैं तो उनके बयानों की वजह से नया बवाल खड़ा हो जाता है। अब वह फिर यूरोप की यात्रा पर जाने वाले हैं। वह तीन देशों की यात्रा करेंगे।

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक बार फिर विदेश दौरे पर जाने वाले हैं। जानकारी के मुताबिक राहुल गंधी 7 से 11 सितंबर तक यूरोप के दौरे पर रहेंगे और वह ब्रुशेल्स में यूरोपीय यूनियन पार्लियामेंट के सांसदों से भी मुलाकात करेंगे। अपनी यइस यात्रा के दौरान वह फ्रांस और बेल्जिय में भारतीयों को भी संबोधित कर सकते हैं। पार्टी ने बताया कि राहुल गांधी बेल्डियम, नॉर्वे और फ्रांस की यात्रा करेंगे। इससे पहले राहुल गांधी मई में अमेरिका की यात्रा पर गए थे। उस दौरान वह सांसद भी नहीं थे। हालांकि अब उनकी लोकसभा की सदस्यता बहाल हो गई है। 10 दिन की अमेरिका यात्रा के दौरान वह सैन फ्रांसिस्को, वॉशिंगटन डीसी, न्यूयॉर्क गए थे और भारतीय समुदाय से भी बात की थी। उससे भी पहले राहुल गांधी ने यूके की यात्रा की थी। राहुल गांधी जब भी विदेश जाते हैं, उनके बयानों को लेकर भारत में बवाल होता है। उन्होंने यूके में कहा था कि भारत का लोकतंत्र दबाव में है। उसपर हमले हो रहे हैं। राहुल गांधी ने कैंब्रिज विश्वविद्यालय में कहा था, सभी जानते हैं कि भारतीय लोकतंत्र दबाव में है और उसपर हमले हो रहे हैं। मैं भारत में विपक्ष का एक नेता हूं।लोकतंत्र के लिए जिन संस्थानों की अहमियत है जैसे कि संसद, प्री प्रेस, न्यायपालिका, सब पर हमला हो रहा है। हम भारत के मूल लोकतांत्रिक ढांचे पर हमला देख रहे हैं। राहुल गांधी ने लंदन में जर्नलिस्ट असोसिएशन के एक कार्यक्रम में कहा था कि भारत में लोकतंत्र समाप्त हो रहा है। अमेरिका और यूरोप लोकतंत्र के चैंपियन बनते हैं लेकिन वहां लोकतंत्र खत्म हो रहा है और ये चुपचाप बैठे देख रहे हैं। इसके बाद भारती में इस बयान को लेकर बवाल खड़ा हो गया था। भाजपा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सोनिया गांधी से माफी की मांग की थी। भाजपा ने आरोप लगाया था कि राहुल गांधी देश का विदेशी धरती पर अपमान कर रहे हैं। न्यूयॉर्क में राहुल गांधी ने कहा था कि भारत में दो विचारधाराओं की लड़ाई चल रही है। उन्होंने कहा थाकि भारत में एक तरफ महात्मा गांधी हैं और दूसरी तरफ नाथूराम गोडसे। महात्मा गांधी ने अहिंसा का प्रचार किया और सत्य की खोज की। हम उस विचारधारा का पालन करते हैं और दूसरी तरफ नाथूराम हिंसक, गुस्सैलऔर अपने जीवन की वास्तविकता को झेलने में असमर्थ था।

प्रधानमंत्री ने किया 13 से 15 अगस्त तक तिरंगा फहराने का आह्वान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट कर देश के नागरिकों से 13 से 15 अगस्त के बीच राष्ट्रीय ध्वज को फहराने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा है 'हर घर तिरंगा' अभियान ने आजादी के अमृत महोत्सव में एक नई ऊर्जा भरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि देशवासियों को इस साल इस अभियान को नई ऊंचाई पर ले जाना है। 13 से 15 अगस्त के बीच देश की आन-बान और शान के प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज को फहराएं। उन्होंने नागरिकों से तिरंगे के साथ https://harghartiranga.com पर सेल्फी अपलोड करने का आग्रह किया है।

स्मार्ट फोन के लिए जन आधार से पंजीकृत मोबाइल नंबर पर आएगा मैसेज

जयपुर। राजस्थान सरकार द्वारा इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना के पहले चरण के तहत लाभार्थियों को स्मार्ट फोन प्राप्त करने के लिए कतार में नहीं लगना होगा, बल्कि सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से प्रत्येक पात्र लाभार्थी को जन आधार से पंजीकृत मोबाइल पर कॉल एवं मैसेज कर पूरी जानकारी दी जाएगी।

जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि योजना के पहले चरण के तहत आगामी 30 सितंबर तक जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण जिले में कुल 22 स्थानों पर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिला मुख्यालय पर 6 शिविर तो वहीं, 16 शिविरों का आयोजन पंचायत समिति मुख्यालय पर किया जा रहा है। श्री राजपुरोहित ने बताया कि पहले चरण में सरकारी विद्यालयों में 9वी से 12वीं कक्षा में अध्ययनरत छात्राओं, सरकारी उच्च शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत छात्राओं, विधवा, एकल नारी पेंशन प्राप्त कर रही महिलाओं, वर्ष 2022-23 में मनरेगा में 100 कार्य दिवस पूर्ण करने वाले वाले परिवार की महिला मुखियाओं, एवं वर्ष 2022-23 में इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में 50 कार्य दिवस पूर्ण करने वाले परिवारों की महिला मुखिया को स्मार्ट फोन की सौगात दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा लाभार्थी के ई-वॉलेट में 6125 रुपये मोबाइल फोन के लिये तथा 675 रुपये सिम कार्ड मय इंटरनेट डाटा प्लान के लिये हस्तांतरित किये जायेंगे। राज्य सरकार द्वारा अप्रैल 2024 एवं अप्रैल 2025 में भी इंटरनेट हेतु प्रति वर्ष 900 रुपये हस्तांतरित किये जायेंगे।

बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि फूड्स को झटका, पहली तिमाही का नेट प्रॉफिट 64 फीसद गिरा

नई दिल्ली। बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि फूड्स लिमिटेड का वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही का नेट प्रॉफिट 64 फीसद घटकर 87.75 करोड़ रुपये रह गया है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि खाद्य तेल की कीमतों में गिरावट के कारण मुनाफे में कमी आई है। खाद्य तेल कंपनी ने बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 241.25 करोड़ रुपये का लाभ कमाया था। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि जून तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 7,810.50 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 7,370.07 करोड़ रुपये थी। खाद्य तेल सेगमेंट में कंपनी की बिक्री 5,890.73 करोड़ रुपये रही है। सेल में 35.80 फीसद की उछाल= शेयर बाजार को दी जानकारी के अनुसार, खाद्य तेल राजस्व में गिरावट के बावजूद मात्रा में कंपनी की बिक्री सालाना आधार पर 35.80 फीसद वृद्धि के साथ 1.4 लाख टन रही है।

आरएचआई मैग्नेसिटा का शुद्ध लाभ 27 फीसद घटकर 60 करोड़ रुपये पर

आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एकल आधार पर शुद्ध 27 फीसद घटकर 59.71 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से खर्च बढ़ने से कंपनी का लाभ घटा है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में उसे 81.88 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। जून तिमाही

में कुल आय हालांकि बढ़कर 678.79 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 604.65 करोड़ रुपये थी। कंपनी का खर्च जून, 2023 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 598.55 करोड़ रुपये हो गया जो बीते वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 494.42 करोड़ रुपये था।

ऑस्ट्रिया के वियना स्थित आरएचआई मैग्नेसिटा की इकाई आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया भारत में अग्रणी रिफ्रैक्टरी कंपनी है। रिफ्रैक्टरी एक विशेष गर्मी प्रतिरोधी सामग्री है। अपने विशेष गुणों के कारण, यह बहुत उच्च तापमान पर भी मूल स्वरूप में रह सकती है। मैग्नीशिया और एल्यूमिना इसके उत्पादन के लिए आवश्यक प्रमुख कच्चे माल हैं।

टीवी टुडे नेटवर्क के पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 75 फीसद गिरा

टीवी टुडे नेटवर्क लिमिटेड का 30 जून, 2023 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही का एकीकृत शुद्ध मुनाफा 75 फीसद घटकर 8.78 करोड़ रुपये रहा है। टीवी टुडे नेटवर्क ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। कंपनी ने एक साल पहले अप्रैल-जून की अवधि में 35.05 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया था। समीक्षाधीन अवधि में कंपनी को परिचालन आय 2.1 फीसद बढ़कर 222.75 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 218.15 करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में टेलीविजन और अन्य मीडिया परिचालन से कंपनी की आय 218.84 करोड़ रुपये और रेडियो प्रसारण से 3.91 करोड़ रुपये रही। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कुल खर्च 21.16 फीसद बढ़कर 220.38 करोड़ रुपये हो गया। जून तिमाही में कंपनी की कुल आय साल भर पहले की तुलना में 1.46 फीसद घटकर 232.40 करोड़ रुपये रह गई।

हिप्र के सुंदरनगर में एचआरटीसी की बस दुर्घटनाग्रस्त, 13 घायल

शिमला। हिमाचल प्रदेश में आज सुबह मंडी जिला के सुंदरनगर से राजधानी शिमला आ रही हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की बस सुंदरनगर उपमंडल के कांगू-डैहर संपर्क मार्ग पर सड़क धंसने से पलटकर 50 फीट नीचे मिट्टी में फंस गई। गनीमत यह रही कि बस खाई में नहीं पलटी। हादसे में चालक-परिचालक सहित सभी 13 लोगों को मामूली चोट आई है। इनमें पांच को मेडिकल कॉलेज नेरचौक रेफर किया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस व प्रशासन की टीमों ने पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। डीएसपी सुंदरनगर दिनेश कुमार ने बताया कि सवारियों को हल्की चोटें आई हैं।

इस हादसे को लेकर मामला दर्ज कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि गत दिवस चंबा जिला के तीसा में एक जीप के खाई में गिरने से छह पुलिस जवानों सहित सात लोगों की मौत हो गई थी। राज्य में बीती रात से हो रही बारिश से कई जगह भूस्खलन हुआ है। राज्य में भूस्खलन से 300 से अधिक सड़कें बंद हैं। मौसम विज्ञान विभाग ने अगले दो दिन राज्य के मैदानी और मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

नूंह में 13 को बड़ी पंचायत का ऐलान, हिंदू समाज ने कई जिलों में भेजे निमंत्रण; इंटरनेट पर पाबंदी बढ़ाई गई

नूंह। हरियाणा के नूंह की साम्प्रदायिक हिंसा को लेकर नूंह में 13 अगस्त को पंचायत का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर तैयारी की जा रही है। इस बाबत सर्व हिंदू समाज मेवात की ओर से नूंह के अलावा फरीदाबाद, पलवल, गुरुग्राम आदि गांवों के लोगों को निमंत्रण पत्र भेजे जा रहे हैं। बता दें कि, मुस्लिम बहुल नूंह जिले में 31 जुलाई को विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की ब्रज मंडल शोभा यात्रा पर भीड़ द्वारा हमला करने के बाद भड़की साम्प्रदायिक हिंसा में दो होम गार्ड और एक इमाम समेत छह लोगों की मौत हो गई थी और 88 लोग घायल हो गए। गुरुग्राम में भी छिटपुट हिंसक घटनाएं दर्ज की गई थीं।

गोरक्षा दल के एक पदाधिकारी की ओर से भेजे गए पत्र में बताया गया है कि सात अगस्त को गांव अलदोका में हथीन, मेवात, सोहना, पलवल आदि गांवों के सरदरी इकट्ठा हुए।

उन्होंने नूंह हिंसा को लेकर 13 अगस्त को लघु सचिवालय के पास स्थित गांव कीरा की गौशाला में पंचायत का आयोजन करने का निर्णय लिया है। इस बारे में मेवात गोरक्षा दल के अध्यक्ष बलजीत ने बताया कि इसके लिए उन्हें जिला प्रशासन से अनुमति मिल गई है। हालांकि, उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने बताया कि जिला प्रशासन की तरफ से किसी को पंचायत करने की मंजूरी नहीं दी गई है।

नूंह में इंटरनेट पर 13 अगस्त तक पाबंदी बढ़ाई

नूंह जिले में इंटरनेट सेवाओं पर पाबंदी 13 अगस्त की रात्रि तक बढ़ा दी गई है। इसके तहत जिले में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं में 2जी, 3जी, 4 जी, 5 जी सीडीएमए, जीपीआरएस सहित सभी एसएमएस सेवाओं (केवल बल्क एसआरवीएमएस और बैंकिंग और मोबाइल रिचार्ज को छोड़कर) को बंद करने का आदेश दिया गया है।

बृजमंडल यात्रा के लिए तैयारी तेज

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल ने नूंह में 28 अगस्त को एक बार फिर से जलाभिषेक यात्रा शुरू करने की घोषणा की है। इस यात्रा को 31 जुलाई को हिंदू-मुसलमानों के बीच हिंसा भड़कने के बाद बीच में ही छोड़ दिया गया था। विहिप के केंद्रीय कोषाध्यक्ष रमेश गुप्ता ने बताया कि बृजमंडल यात्रा को पूरा करने के दो ही दिन बचे हैं। यात्रा 21 या 28 अगस्त को हो सकती है। संगठन ने 28 अगस्त को यात्रा को पूरा करने के लिए अनुमति मांगी है। इसके लिए संगठन ने हरियाणा पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखा है।

यूपी-बिहार समेत इन राज्यों में होने वाली है भारी बारिश, मौसम विभाग ने जारी कर दिया अलर्ट

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बीते 15 दिन से कोई खास बारिश नहीं हुई है। वहीं देशभर के कई राज्यो में बारिश लगातार जारी है। उत्तराखंड में कई दिनों से हो रही बारिश की वजह से जन-जीवन अस्तव्यस्त है। अब मौसम विभाग ने उत्तराखंड के छह जिलों में ऑरेंज और रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग का कहना है कि 12 से 14 अगस्त के बीच यहां भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश और बिहार के भी कई इलाकों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

कहां हो सकती है भारी बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में मध्यम से लेकर भारी बारिश की संभवना है। वहीं बिहार, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेशष मेघालय में अगले पांच दिनो के दौरान भारी बारिश हो सकती है। वहीं देश के बाकी हिस्सों में अगले कुछ दिनों तक मॉनसून में सुस्ती देखी जा सकती है। मध्य प्रदेश और राजधानी दिल्ली में अभी बारिश की संभावना नहीं है। यहां बादलों की लुकाछिपी और तेज हवाएं चलती रहेंगी। 15 अगस्त के के बाद राजधानी में भी बारिश हो सकती है।

इन राज्यों को करना होगा इंतजार

मौसम विभाग का कहना है कि उत्तर प्रदेश में 12 से 14 अगस्त के बीच बारिश हो सकती है। वहीं हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 14 अगस्त

12 से 14 अगस्त

के बीच यहां भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश और बिहार के भी कई इलाकों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

तक भारी बारिशकीआशंका है। राजस्थान में 15 अगस्त के बाद बारिश के आसार हैं। मध्य प्रदेश में भी फिलहाल 14 अगस्त तक बारिश की संभावना नहीं जताई गई है। इस दौरान कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। हालांकि 15 अगस्त के बाद मूसलाधार बारिश का दौर शुरू हो सकता है। बिहार के 9 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

स्काईमेट वेदर की मानें तो अगले 24 घंटे में बिहार, झारखंड, उप हिमालयी पश्चिम बंगाल, मेघालय, नागालैंड और हिमचाल प्रदेश, उत्तराखंड में मध्यम के साथ भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा छत्तीसगढ़, ओडिशा, पूर्वोत्तर भारत, आंतरिक कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश, कोंकण गोवा, लक्षद्वीप, जम्मू-कश्मीर और आंध्र प्रदेश में बूंदाबांदी की ही संभावना है।

सीआरपीएफ जवान की गोली लगने से मौत, आत्महत्या की आशंका

श्रीनगर ।जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में एक जवान की गोली लगने से मौत हो गई। इसे आत्महत्या बताया जा रहा है, ले?किन अ?धिका?रियों ने जांच के बाद ही पु?ष्टि करने की बात कही है।जानकारी के अनुसार शनिवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान की गोली लगने से मौत हो गई। पुलवामा जिले के चेरसू गांव में स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया के गोदाम के पास गोलियों की आवाज सुनने के बाद सीआरपीएफ का एक जवान खून से लथपथ पाया गया। गोली लगने से जवान की मौके पर ही मौत हो गई थी। जवान की पहचान 112 बटालियन के कांस्टेबल अजय कुमार के रूप में की गई है।सूचना के बाद चिकित्सा-कानूनी औपचारिकताएं पूरी करते हुए जांच की कार्यवाही शुरू कर दी गई है।अधिकारियों ने कहा ?कि मौत का कारण आत्महत्या प्रतीत होता है, लेकिन मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि जांच कार्यवाही पूरी होने के बाद ही की जा सकती है।

अब एक्सीडेंट में मदद करने वालों को मिलेगा ईनाम, नहीं होगी पूछताछ

झांसी ।अब एक्सीडेंट में घायल की मदद करने वाले को पु?लिस पूछताछ करने की बजाय ईनाम देगी।इस आशय की जानकारी आज यूपी सरकार द्वारा साझा की गई। बता दें कि झांसी में बीते कुछ समय में कई ऐसे रोड एक्सीडेंट हुए हैं जिसमें लोग गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं।लेकिन, ऐसे लोगों की मदद के लिए कोई सामने नहीं आता है।इसका कारण है लोगों का यह डर की पुलिस उनसे पूछताछ करेगी।परंतु सरकार की एक ऐसी योजना भी है जिसके तहत अगर आप एक्सीडेंट में घायल हुए किसी व्यक्ति की मदद करते हैं तो पुलिस आपसे बहुत ज्यादा सवाल जवाब नहीं करेगी।बल्कि आपको प्रशासन की ओर से नकद इनाम भी दिया जाएगा।इस योजना को 'गुड समार्टियन' यानी 'नेक आदमी' का नाम दिया गया है।योजना परिवहन अनुभाग उत्तर प्रदेश द्वारा लागू की गई है, जिसके तहत अब दुर्घटना में घायल व्यक्तियों और पीड़ित की मदद करने वालों, घायल को अस्पताल पहुंचाने और उनके जीवन को सुरक्षित करने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा।घटना के बाद पुलिस भी अगर जरूरत ना हो तो उनसे बहुत अधिक पूछताछ नहीं करेगी।झांसी के जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया कि कई बार ऐसी घटनाएं घटित हुई है कि दुर्घटनाग्रस्त होने पर गंभीर रूप से घायल लोगों को कोई भी व्यक्ति मदद करने इसलिए आगे नहीं आता है कि उसे कानूनी रूप से समस्याएं होंगी। उन्होंने बताया कि अब ऐसा नहीं है। अब ऐसे लोगों को पुरस्कृत किया जाता है। इसलिए दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों की लोग मदद करके जान बचाने में सहयोग करेंगे।

दरभंगा में एम्स खुला नहीं, मोदी कह रहें खुल गया, वाह रे जुमलेबाज सरकार : लल्लन

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने आज ट्वीट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कहा है कि आप स्वास्थ्य विभाग से ठीक से जानकारी प्राप्त कर लीजिए।दरभंगा एम्स के लिए राज्य सरकार ने जमीन दी है और वहां पर मिट्टी भराई के लिए अलग से 250 करोड़ रुपये स्वीकृत भी किए हैं। लेकिन उस जमीन पर आपकी केंद्र सरकार एम्स बनाने को तैयार नहीं है। इसका मकसद बिहार में एक एम्स के निर्माण को लटकाना है और आप कह रहे हैं कि एम्स खुल गया। श्री सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी पर कमेंट किया कि, वाह रे जुमलेबाज़ सरकार।

अयोध्या में सरयू नदी के निकट बनेगा श्रीराम चलित मानस अनुभव केन्द्र

अयोध्या । रामनगरी अयोध्या में रामलला के मंदिर के उद्घाटन के समय श्रद्धालुओं की भारी संख्या की संभावना को देखकर तैयारी की जा रही है। श्रद्धालुओं की अयोध्या यात्रा को यादगार एवं विश्व स्तरीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अयोध्या के गुप्तारघाट के समीप सरयू नदी के निकट 75 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल को अयोध्या विकास प्राधिकरण द्वारा 'श्रीराम चलित मानस' अनुभव केन्द्र के रूप में विकसित किया जायेगा। मण्डलायुक्त गौरव दयाल ने बताया कि प्रभु श्रीराम जन्मभूमि में भव्य मंदिर निर्माण के साथ ही अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में लाखों की वृद्धि की संभावना को देखकर योगी सरकार द्वारा मूलभूत सुविधाओं के लिए विभिन्न विकास कार्य कराये जा रहे है। इसके लिए प्राधिकरण द्वारा टेंडर के माद्यम से वाराणसी की अभियन्त्रण नामक एजेंसी का चयन किया गया है। इसमें प्राधिकरण द्वारा खुद का धन व्यय नहीं किया जाएगा, बल्कि प्राइवेट एजेंसी द्वारा ही निवेश किया जाएगा।उन्होंने बताया कि यह राम चलित मानस अनुभव केन्द्र श्रीराम के जीवन चरित्र के साथ ही उनके जन्मस्थान अयोध्या एवं उत्तर प्रदेश की संस्कृति एवं परपंरा का अनुभव करायेगी। अनुभव केन्द्र के तहत 100 टेंट्स की टेंट सिटी के साथ ही राम दरबार, धार्मिक हाट, टॉयलेट ब्लाक, लैंडस्केप जोन, ओपन सिटिंग, सीता रसोई (किचन), श्री राम जल समाधि स्थल, लोक नृत्य स्टेज, म्यूजिक स्टेज, रामलीला इंटरटेरमेंट जोन, सिटिंग प्लाजा, अमरेला सेंड सिटिंग, फायर्स शो स्टेज, अनुभव केंद्र, कलाग्राम, श्री राम जाप पथ, ध्यान गुफा, योगा क्षेत्र, गेस्ट रूम, ओपेन एयर थिएटर, हीलिंग गार्डन, बाजार हाट, फ़ूड कोर्ट,बहु उद्देश्यसीय हाल, घुड़ सवारी/इंडोर स्पोर्ट एरिया सहित अन्य सुविधाएं होंगी। वाटर स्पोर्ट्स की सुविधा भी विकसित होगी। मण्डलायुक्त ने बताया कि इसका निर्माण पूर्णतया अस्थायी होगा, इसमें 16 गुणा 16 फिट के टेंट लगाने तथा निश्चित दूरी पर मेडिकल सुविधाओं से लैस कमरे व हर 50 मीटर की दूरी पर बायो डाइजेस्टिव शौचालय स्थापित करने की तैयारी है।

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर भूस्खलन...मलबे में दबने से पांच लोगों की मौत

दूहरादून । उत्तराखंड में इन दिनों मौसम का कहर जारी हैं। मौसम विभाग ने राजधानी देहरादून सहित छह जिलों में 14 अगस्त तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर भारी भूस्खलन हुआ है। यहां भूस्खलन के मलबे में दबने से गुजरात के तीन तीर्थयात्रियों सहित पांच लोगों की मौत हो गई है। बता दें कि मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में उत्तराखंड के छह जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी थी। केदारनाथ यात्रा मार्ग पर फाटा क्षेत्र के तरसाली में भूस्खलन के कारण कार में सवार पांच लोग मलबे में दब गए, लेकिन बारिश के कारण शुक्रवार को उनके शव बरामद किए गए। मृतकों में गुजरात के तीन और हरिद्वार का एक श्रद्धालु शामिल है। पुलिस ने कहा कि पांचवें पीड़ित की पहचान करने के प्रयास जारी है। देहरादून मौसम विज्ञान केंद्र ने 14 अगस्त तक के लिए टिहरी, देहरादून, पौड़ी, चंपावत, नैनीताल और उधम सिंह नगर जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। बता दें कि केंद्र ने प्रशासन को चेतावनी जारी करते हुए पर्याप्त सावधानी बरतने को कहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बारिश प्रभावित कोटद्वार क्षेत्र का निरीक्षण किया, जहां कुछ दिन पहले भूस्खलन में एक व्यक्ति लापता हो गया था और कई पुल क्षतिग्रस्त हो गए थे, जिससे एक बड़ी आबादी राज्य के बाकी हिस्सों से कट गई थी। धामी के स्थलीय निरीक्षण के दौरान विधानसभा अध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक रितु खंडूरी भी उनके साथ मौजूद रहीं। धामी ने पौड़ी के जिलाधिकारी आशीष चौहान को गादीघाटी में क्षतिग्रस्त पुल की मरम्मत पर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कोटद्वार और भाबर को जोड़ने वाले मालन नदी पर बने वैकल्पिक पुल का भी निरीक्षण किया।

मुंबई हवाई अड्डे पर 7.85 करोड़ की कोकीन जब्त

मुंबई। मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर डीआरआई के अधिकारियों ने एक तस्कर के पास से 7.85 करोड़ रूपये की कोकीन जब्त किया है. जब तस्कर को रोका गया तो उसने पकड़े जाने के डर से करोड़ों की कोकीन निगल गया था. तस्कर को अस्पताल में भर्ती किया गया था. उसके बाद डीआरआई ने उसके पास से 7.85 करोड़ की कोकीन जब्त की. दरअसल खुफिया जानकारी के आधार पर डीआरआई के अधिकारियों ने बीते सात अगस्त को मुंबई हवाई अड्डे पर युगांडा के एक पुरुष यात्री को ड्रग्स ले जाने के संदेह में रोका. पूछताछ करने पर उसने भारत में तस्करी के लिए नशीली दवाओं वाले कैप्सूल खाने और उसे अपने शरीर में ले जाने की बात को स्वीकार किया. इसके बाद उस तस्कर को वहां से गिरफ्तार किया गया और मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया और अदालत के आदेश के अनुसार, उसे मुंबई के जेजे अस्पताल में भर्ती कराया गया.

मोदी के एमपी दौरे पर कांग्रेस का तंज, पीएम राज्य में घोटालों पर बात नहीं करेंगे, लोगों को झूठे सपने दिखाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश चुनाव को लेकर भाजपा अपनी तैयारियों में जुटी हुई है। इसी कड़ी में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मध्य प्रदेश दौरे पर हैं। मोदी के मध्य प्रदेश दौरे को लेकर कांग्रेस ने उनपर निशाना साधा है। कांग्रेस ने शनिवार को उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह एक बार फिर झूठे वादे करेंगे और राज्य में अपनी सरकार के घोटालों के बारे में बात नहीं करेंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने हिंदी में एक ट्वीट में कहा, ÷आज प्रधानमंत्री मध्य प्रदेश जा रहे हैं। अपनी आदत से मजबूर होकर वह झूठे दावे करेंगे और झूठे सपने दिखाएंगे। लेकिन मध्य प्रदेश के लोग चाहेंगे कि क्रू उनकी समस्याओं पर बात करें।

कांग्रेस का आरोप

कांग्रेस नेता ने कहा कि मध्य प्रदेश में महाकाल लोक निर्माण और पटवारी भर्ती में घोटाले हुए हैं। हाल ही में कांट्रैक्टर्स ने 50त्न कमीशन मांगे जाने के आरोप लगाए हैं। क्या क्रूइन पर कुछ बोलेंगे? उन्होंने कहा कि राज्य में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों पर अत्याचार चरम पर है। कुछ दिनों पहले वायरल एक वीडियो ने पूरे देश को शर्मसार कर दिया था। क्या प्रधानमंत्री इसकी निंदा करेंगे, इन घटनाओं पर कुछ बोलेंगे? रमेश ने कहा कि उनके ट्रैक रिकार्ड को देखते हुए हमें तो उम्मीद नहीं है। मध्य प्रदेश के लोग भी अब भाजपा और प्रधानमंत्री से कोई उम्मीद नहीं रखते।

मोदी ने क्या कहा

अपने इस दौरे के दौरान प्रधानमंत्री ने रोड और रेल सेक्टर में राज्य को कई महत्वपूर्ण सौगात दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने संत रविदास स्मारक का भूमि पूजन भी किया है। माना जा रहा है कि इससे भाजपा आगामी चुनाव में पिछड़ों को साधने की कोशिश करेगी। इन सब के बीच अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ तौर पर कहा कि आज भारत लगातार तरक्की की ओर बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश में भी विकास तेज गति से हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सामाजिक समरसता के लिए एक नए युग की शुरुआत हो रही है। विकास और बेहतर सुविधाओं के लिए लगातार काम किया जा रहा है। इसे साथ ही उन्होंने कहा कि विरासत को आगे बढ़ाते हुए अतीत से भी हमें सबक लेना होगा। अमृत काल में हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी विरासत को आगे बढ़ाएं और अतीत से सीखें। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि संत रविदास ने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ बोला। उन्होंने दावा किया आज देश गुलामी की मानसिकता से मुक्ति की ओर बढ़ रहा है।

अयोध्या राम मंदिर के पुजारियों को सरकारी कर्मचारियों की तरह मिलेंगी सुविधाएं

अयोध्या।अयोध्या में रामलला मंदिर के पुजारियों को सरकारी कर्मचारियों की भांति वेतन-भत्तों के साथ अन्य सुविधाएं भी देने की तैयारी ट्रस्ट की ओर से की जा रही है। ट्रस्ट के प्रधान पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास के अनुसार रामलला के पुजारियों और कर्मचारियों को अब सरकारी स्तर की सुविधा मुहैया कराई जाएंगी। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के प्रधान पुजारी ने कहा कि भगवान राम लला के परिसर में कार्यरत पुजारी और कर्मचारियों को अब सरकारी स्तर की सुविधा श्री राम मंदिर ट्रस्ट देगा, जिसमें प्रमुख रूप से पुजारी के रहने-खाने और चिकित्सीय सुविधाओं के साथ-साथ आवासीय भत्ता भी दिया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि क्षेत्र ट्रस्ट दक्षिण क्षेत्र में संचालित ट्रस्ट के तर्ज पर अब अपने पुजारी और कर्मचारियों को बेहतरीन सुविधा उपलब्ध कराएगी।दरअसल भगवान राम लला का भव्य मंदिर बन रहा है।सुप्रीम कोर्ट के आदेश के साथ राम मंदिर के निर्माण का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। भगवान राम लला जनवरी माह में भव्य मंदिर में विराजमान होंगे।ट्रस्टे प्रधान पुजारी ने कहा कि 9 नवंबर 2019 में भगवान राम लला के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया जब बरसों से भगवान रामलला टाट में बरकरार थे और फैसले के साथ उनके ठाट बढ़ गए। उत्तर प्रदेश सरकार और राम मंदिर ट्रस्ट ने भगवान राम लला के लिए स्थाई मंदिर का निर्माण कराते हुए भव्य मंदिर के निर्माण की प्रक्रिया शुरू की। आज मंदिर आकार ले चुका है और देश के प्रधानमंत्री 2024 में भगवान को भव्य मंदिर में विराजमान करेंगे।अब राम मंदिर ट्रस्ट रामलला के पुजारियों को भी हाईटेक सुविधाएं सरकारी कर्मचारी के तर्ज पर उपलब्ध कराएगा। रामलला के प्रधान पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट राम मंदिर से जुड़े हुए पुजारियों और कर्मचारियों को अब सरकारी कर्मचारियों की तर्ज पर सुविधा उपलब्ध कराएगा।

चीन-पाक को जवाब देने आईएएफ ने श्रीनगर में तैनात किया मिग-29 स्क्वाड्रन

-'उत्तर के रक्षक' ने श्रीनगर हवाई अड्डे पर मिग-21 की जगह ली, दुशमन को मिलेगा मुंहतोड़ जवाब

श्रीनगर (एजेंसी)। पाकिस्तान व चीन को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए भारत ने श्रीनगर हवाई अड्डे पर अपग्रेडेड मिग-29 फाइटर जेट का एक स्क्वाड्रन तैनात किया है। मिली जानकारी के अनुसार इंडियन एयरफोर्स के ट्राइडेंट स्क्वाड्रन जिसे 'उत्तर के रक्षक' के रूप में भी जाना जाता है, ने श्रीनगर हवाई अड्डे पर मिग-21 स्क्वाड्रन की जगह ले ली है। बता दें कि अभी तक भारतीय वायुसेना का मिग-21 स्क्वाड्रन पाकिस्तान की ओर खतरे की देखभाल के लिए जिम्मेदारी उठा रहा था। भारतीय वायु सेना के पायलट स्क्वाड्रन लीडर विपुल शर्मा ने मीडिया को बताया कि 'श्रीनगर कश्मीर घाटी के केंद्र में स्थित है और इसकी ऊंचाई मैदानी इलाकों से अधिक है। सीमा के निकट होने के कारण कम समय में बेहतर रिस्पॉन्स देने वाला एयरक्राफ्ट रखना रणनीतिक रूप से ठीक है। एक और बात जो मिग-29 ट्राइडेंट स्क्वाड्रन को मिग-21 से अलग बनाती है वह है, इन लड़ाकू विमानों की उन्नत तकनीक, जो लंबी दूरी की मिसाइलों से लैस हैं। बता दें कि मिग-21 की तुलना में मिग-29 के कई फायदे हैं। हालांकि, मिग-21 स्क्वाड्रन को कमतर नहीं आंका जा सकता, जिसने वर्षों तक कश्मीर घाटी में अपनी जिम्मेदारी सफलतापूर्वक निभाई और साल 2019 में बालाकोट हवाई हमलों के बाद पाकिस्तानी आतंकवादी शिविरों पर बम बरसाने, पीएएफ के एफ-16 को मार गिराने में भी कामयाब रहे।

जहां तक मिग-29 की बात है तो यह इस मामले में बेहतर है कि अपग्रेड के बाद उसे बहुत लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और हवा से जमीन पर मार करने वाले हथियारों से लैस किया गया है। सरकार द्वारा सशस्त्र बलों को दी गई आपातकालीन खरीद शक्तियों का उपयोग करते हुए इसे घातक हथियारों से भी लैस किया गया है। भारतीय वायुसेना के अधिकारियों ने बताया कि 'अपग्रेडेड मिग-29 लड़ाकू विमानों को युद्ध के समय दुश्मन के एयरक्राफ्ट की क्षमताओं को जाम करने की क्षमता भी प्रदान की गई है। आईएएफ के एक अन्य पायलट स्क्वाड्रन लीडर शिवम राणा ने कहा कि अपग्रेडेड मिग-29 फाइटर जेट रात में नाइट विजन गॉगल्स के साथ काम कर सकता है और हवा से हवा में ईंधन भरने की क्षमता के कारण इसकी रेंज लंबी है।

गौरतलब है कि भारतीय वायुसेना ने मिग-29 इस साल जनवरी में श्रीनगर हवाई अड्डे पर डिप्लॉय किया था। लद्दाख सेक्टर के साथ-साथ कश्मीर घाटी में इन विमानों ने बड़े पैमाने पर उड़ान भरी। बताया जा रहा हे कि अब श्रीनगर हवाई अड्डे पर मिग-29 स्क्वाड्रन की तैनाती के बाद, चीन या पाकिस्तान की ओर से भारतीय हवाई क्षेत्र के उल्लंघन के किसी भी प्रयास को मुंहतोड़ जवाब देने में आसानी होगी।

दिल्ली सेवा बिल बना कानून राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया अप्रूव

नयी दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली सर्विस बिल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अप्रूव कर दिया है। उनके हस्ताक्षर के साथ ही यह आज से कानून बन गया। यह कानून उस अध्यादेश की जगह लेगा जिसके तहत केंद्र सरकार ने आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार से दिल्ली की नौकरशाही पर नियंत्रण छीन लिया था। संसद में भारी हंगामे के बीच बिल पारित हुए। आम आदमी पार्टी को कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों ने समर्थन दिया, बावजूद इसके राज्यसभा में बिल को अच्छा समर्थन मिला। राष्ट्रपति ने चार बिलों को अप्रूव कर आज कानून की शक्ल दी है। इनमें डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल भी शामिल है। इनके अलावा रजिस्ट्रेशन ऑफ बर्थ एंड डेथ (संशोधन) बिल और द जन विश्वास (अमेंडमेंट्स ऑफ प्रोविजन) बिल को भी आज राष्ट्रपति मुर्मू ने अप्रूवल दी है। दो बिलों पर उन्होंने हस्ताक्षर किए हैं। दिल्ली सेवा बिल को जब वोटिंग के लिए पटल पर रखा गया तो विपक्षी नेता सदन से वॉकआउट कर गए थे। राजधानी दिल्ली में सर्विसेज पर कंट्रोल के लिए केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटते हुए 19 मई को एक अध्यादेश जारी किया था। गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्र के इस प्रस्तावित कानून का संसद में पुर्जोर बचाव किया। संसद में उन्होंने कहा कि यह अध्यादेश सर्वोच्च न्यायालय के उस आदेश के तहत है जिसमें कहा गया है कि संसद को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली से संबंधित कानून बनाने का अधिकार है। संविधान में ऐसे प्रावधान हैं जो केंद्र को दिल्ली के लिए कानून बनाने की इजाजत देता है। दिल्ली सेवा बिल पारित होने से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने एक ट्वीट में कहा था कि यह दिल्ली के लोगों को 'गुलाम' बनाने की कोशिश है। राज्यसभा में आम आदमी पार्टी की तमाम कोशिशों के बाद भी बिल के समर्थन में 130 वोट पड़े, जबकि विपक्षी गठबंधन सिर्फ 102 वोट ही जुटा सका था। मणिपुर मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (डीपीडीपी) विधेयक ध्वनि मत से पारित किया गया। इस बिल के जरिए विपक्ष का आरोप है कि सरकार देश को सर्विलांस स्टेट बनाने की कोशिश कर रही है।

आप के राघव चड्ढा ने एक्स हैंडल पर खुद को बताया निलंबित सांसद

नई दिल्ली ।आप के राघव चड्ढा ने एक्स पर अपना बायो बदल लिया है।उस पर उन्होंने अपने आप को निलंबित सांसद बताया है।मिली जानकारी के अनुसार आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने शनिवार को एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अपना बायो बदलकर निलंबित सांसद कर लिया। राज्यसभा से निलंबित होने के एक दिन बाद उन्होंने अपने एक्स हैंडल का बायो बदल दिया। बता दें कि राघव चड्ढा, जिन पर भाजपा ने कुछ सांसदों के जाली हस्ताक्षर करने का आरोप लगाया है, को शुक्रवार को संसद के मानसून सत्र के आखिरी दिन सभापति जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा से निलंबित कर दिया।उन्होंने कहा कि मुझे दिल्ली सेवा विधेयक पर संसद में अपने भाषण के दौरान कठिन सवाल पूछने के लिए निलंबित कर दिया गया। मेरा अपराध दिल्ली के राज्य के दर्जे पर भाजपा के दोहरे मानदंडों को उजागर करना था। भगवा पार्टी पर तंज करते हुए चड्ढा ने कहा कि मैंने उन्हें आईना दिखाया और उन्हें जवाबदेह ठहराया, इससे वे आहत हो गए।उन्होंने कहा कि झूठे आरोपों के आधार पर एक सांसद को निलंबित करके, सरकार की कार्रवाई स्पष्ट रूप से खतरनाक रुख का संकेत देती है, इसमें विरोधी होने की बू आती है।यह लोकतांत्रिक मूल्यों की नींव को कमजोर करता है।

यूपी-बिहार सहित अन्य राज्यों में भारी बारिश की संभावना

- मौसम विभाग ने उत्तराखंड के छह जिलों में ऑरेंज और रेड अलर्ट जारी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बीते 15 दिन से अच्छी बारिश नहीं हुई है। वहीं उत्तराखंड में कई दिनों से हो रही बारिश की वजह से जन-जीवन अस्तव्यस्त है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड के छह जिलों में ऑरेंज और रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग का कहना है कि 12 से 14 अगस्त के बीच यहां भारी बारिश हो सकती है। उत्तर प्रदेश और बिहार के भी कई इलाकों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में मध्यम से लेकर भारी बारिश की संभावना है। वहीं बिहार, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश मेघालय में अगले पांच दिनों के दौरान भारी बारिश हो सकती है। वहीं देश के बाकी हिस्सों में अगले कुछ दिनों तक मॉनसून में सुस्ती देखी जा सकती है। मध्य प्रदेश और राजधानी दिल्ली में अभी बारिश की संभावना नहीं है। यहां बादलों की लुकाछिपी और तेज हवाएं चलती रहेंगी। 15 अगस्त के बाद राजधानी में भी बारिश हो सकती है।

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार बोले- आजादी को बचाए रखना युवाओं की जिम्मेदारी

जयपुर (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और जेएनयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार ने युवाओं से आलोचनात्मक नजरिया अपनाने का आह्वान करते हुए शनिवार को कहा कि इस देश की आजादी को बचाए रखना उनकी (युवाओं की) जिम्मेदारी है। युवा नेता ने कहा कि देश को बनाने में दशकों लगते हैं और बड़ी कुर्बानियां देनी पड़ती हैं। उन्होंने कहा कि देश कोई केक नहीं है जिसे जोमैटो पर ऑर्डर कर लेंगे। वह यहां राज्य स्तरीय युवा महापंचायत के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''युवा होने का मतलब यह है कि हम हर चीज ज्यादा महसूस करते हैं। अगर हमारे आसपास किसी इंसान के साथ उसके कपड़े के चलते, उसके प्रेम करने के चलते, उसके खाने के चलते उसके साथ कोई अत्याचार हो रहा है अगर हम चुप हो गए तो मान लीजिए आप नौजवान नहीं है चाहे आपकी उम्र कुछ भी हो। अगर हमने आवाज उठाई तो हम नौजवान हैं चाहे हमारी उम्र कुछ भी हो।'' कन्हैया कुमार ने कहा,'' अपने आसपास होने वाले अत्याचारों को महसूस करना..।आलोचनात्मक दृष्टि से देखने का मतलब केवल नकारात्मक देखना नहीं होता है आलोचनात्मक होने का मतलब होता है कि तब नकारात्मकता भी देखेंगे जब खाली सकारात्मकता की बात हो रही होगी और तब सकारात्मकता भी देखेंगे जब सिर्फ नकारात्मकता की बात हो रही हो। आलोचना का मतलब होता है कि चीज को पूरी तरह देखना।'' उन्होंने कहा किनौजवान होने का मतलब है कि पुरानी पीढ़ी की जो अच्छी चीजें हैं, गौरवशाली परंपरा के तौर पर उन्हें आगे बढ़ाएंगे और जो चीजें अप्रासंगिक हो गई हैं नौजवान होने के दम पर उसे चुनौती देंगे। उन्होंने कहा,''देश कोई केक नहीं है कि हम जामैटो पर इसको आर्डर कर लेंगे। देश को बनाने में दशकों लगे हैं और लोगों ने अपनी जिंदगी की कुर्बानियां दी हैं।''

नशा, नाश का कारण, युवाओं के सपनों का प्रदेश बनाना है तो नशा मुक्ति अभियान से जुड़ना होगा : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (एजेंसी)। नशा को नाश का कारण करार देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा किइससे जितना दूर रहा जाए, उतना ही बेहतर है। उन्होंने कहा कि अगर उत्तर प्रदेश के नौ करोड़ युवाओं के सपनों को नई उड़ान देनी है, उनके सपनों का प्रदेश बनाना है तो नशा मुक्ति के इस पवित्र अभियान के साथ उन्हें जुड़ना ही होगा। वह अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर नशा मुक्त प्रदेश-सशक्त प्रदेश अभियान की शुरुआत कर रहे थे। एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी युवाओं को नशा मुक्ति के इस सबसे बड़े अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस 2023 पर ग्रीन स्किल फॉर यूथः टूवर्ड्स सस्टेनेबल वर्ल्ड विषय पर अपनी बात रखते हुए कहा , '' देश की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश को नशा मुक्त करन के लिए नशा मुक्त प्रदेश-सशक्त प्रदेश के अभियान के साथ हम सब को जुड़ना होगा।'' इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने एनसीसी, स्काउट गाइड समेत तमाम संस्थाओं से जुड़े युवाओं को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूनीसेफ जैसी संस्थाओं ने जब केंद्र और राज्य के साथ समन्वय किया तो आज इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारियां खत्म हो गईं। उन्होंने कहा कि जिस जवानी में व्यक्ति को स्वयं, समाज और देश के भविष्य के बारे में चिंतन करते हुए नए सपनों को बुनना है, उस समय यदि वह नशे का आदी हो जाएगा तो जैसै दीमक अंदर ही अंदर व्यक्ति को खोखला बना देता है, वैसे नशा व्यक्ति को अंदर ही अंदर खोखला बना देगा और वह व्यक्ति किसी काम का नहीं रहेगा।

मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि लोग तंबाकू, खैनी जैसे पान मसाला खाते हैं जिससे उनके दांत खराब हो जाते हैं,जो चीज खाने से दांत जैसी मजबूत चीज नष्ट हो जाती है तो उसका जिह्वा , फेफड़े, आहार नाल, आमाशय पर क्या असर पड़ता होगा,आप सहज अनुमान लगा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए नशे से जितना दूर रह सकते हैं उतना ही उपयोगी होगा और उतना ही जीवन बेहतर बनेगा।

उन्होंने कहा कि इसके लिए प्रदेश का युवा कल्याण विभाग जहां एक तरफ यूनीसेफ के साथ मिलकर व्यापक जनजागरूकता का अभियान चला रहा है तो वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर उत्तर प्रदेश के अंदर अपने युवाओं को इस रचनात्मक कार्यक्रमों से जोड़ने का अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा कि हर गांव में खेल का मैदान, हर ब्लॉक स्तर पर एक मिनी स्टेडियम, हर जनपद में एक स्टेडियम हो, ये सभी कार्यक्रम खेलकूद की रचनात्मक भावना पैदा करते हैं।

भारतीयों को नाइजर देश छोड़ने की सलाह, तख्तापलट का दिया हवाला

नियामी । भारतीय विदेश मंत्रालय ने नाइजर में बसे भारतीयों को जल्दी देश छोड़ने की सलाह दी है। बता दें कि नाइजर में हुए तख्तापलट के बाद वहां परिस्थितियां बदल गई हैं। इस लिए वहां पर मौजूद भारतीयों के लिए भारत सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। विदेश मंत्रालय की ओर से भारतीयों को वहां से वापस अपने देश लौटने को कहा गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वे भारतीय जिन्हें नाइजर में रहना जरूरी नहीं हैं वे जल्द से जल्द नाइजर से भारत वापसी के लिए निकलें। और जो लोग भारतीय दूतावास के संपर्क स्थापित नहीं कर पाए हैं वह अपने आप को रजिस्टर करें। गौरतलब है कि पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजर में करीब 250 भारतीय नागरिक रहते हैं। वहां तख्तापलट के बाद उपजे हालातों को देखते हुए भारत सरकार ने वहां से नागरिकों से लौटने की अपील की है। विदेश मंत्रालय ने लोगों की वतन वापसी के लिए दूतावास में संपर्क करने और अपना नाम रजिस्टर कराने को कहा है। दरअसल, अफ्रीकी देश नाइजर में सेना ने हाल ही में राष्ट्रपति मोहम्मद बाजौम का तख्तापलट किया है। तख्तापलट के बाद राष्ट्रपति को नजरबंद करके रखा गया है। इसके बाद वहां के हालात बिगड़ रहे हैं। सैनिकों ने नेशनल टीवी पर इस तख्तापलट का ऐलान किया। सेना ने नाइजर के संविधान को भंग करने का ऐलान करते हुए सभी संस्थानों को निलंबित कर दिया। इस तख्तापलट के बाद देश की सभी सीमाओं को बंद कर दिया। बता दें कि नाइजर में तख्तापलट पहली बार नहीं हुआ है। साल 1960 में फ्रांस से आजादी मिलने के बाद यहां अब तक चार बार तख्तापलट हो चुका है। नाइजर से पहले उसके दो पड़ोसी देशों माली और बुर्किना फासो में पिछले सालों जिहादी विद्रोह के बाद तख्तापलट हुआ था और अब इस छोटे से देश में तख्तापलट ने दुनियाभर की चिंता बढ़ा दी है।

म्यांमार में बाढ़, भूस्खलन का खतरा, 45 हजार से अधिक लोग राहत शिविरों में पहुंचे

यांगून । म्यांमार में इन दिनों बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। यहां के आपदा प्रबंधन विभाग ने कहा कि भारी बारिश के बीच नदी का जलस्तर बढ़ने से आई बाढ़ के कारण देश भर में 45 हजार से अधिक लोग इस समय राहत शिविरों में हैं। विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि मोन प्रांत के तीन और रखाइन प्रांत के दो लोगों सहित पांच लोगों की मौत हो गई है। मानसून के मौसम के दौरान प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित क्षेत्रों और प्रांतों में काचिन, कायिन, बागो, मैगवे, मोन और रखाइन शामिल हैं। विभाग ने बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए पूरे देश में 109 आश्रय स्थल स्थापित किए हैं। अधिकांश आश्रय स्थल मोन, कायिन और राखीन प्रांतों के साथ-साथ बागो क्षेत्र में स्थित हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार बाढ़ और नदी के बढ़ते स्तर के कारण पहले ही 2,146 घरों से 10 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया है। कायिन में, सात में से छह टाउनशिप में बाढ़ आ गई है, जिसके कारण 18 हजार से अधिक निवासियों को अपने घरों से आश्रयों में स्थानांतरित करना पड़ा है। भारी बारिश के कारण कायिन राज्य में भूस्खलन भी हुआ, जिसके परिणामस्वरूप सोमवार को म्यावाड्डी-कावकेरिक एशिया रोड का एक हिस्सा ढह गया। इस घटना के कारण मार्ग पर परिवहन बाधित हो गया, जिससे यह वाहनों के लिए अगम्य हो गया। ?मिली जानकारी के अनुसार कायिन राज्य की राजधानी हापा-एन और मोन की राजधानी मावलाम्यिन को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण सड़क के कुछ हिस्से भी गुरुवार को जलमग्न हो गए। इसके अतिरिक्त, बाढ़ के कारण सोम में क्याइकमाराव टाउनशिप में 12 प्राथमिक विद्यालयों को बंद करना पड़ा। बागो क्षेत्र में 2,973 घरों के 12,461 लोगों को शिविरों में स्थानांतरित होने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि लगातार भारी बारिश के कारण गंभीर बाढ़ आ गई। वहीं मौसम विभाग ने बताया कि सिताउंग, बागो और थानलविन नदियों सहित कई नदियों का जल स्तर गुरुवार दोपहर को खतरे के निशान से ऊपर रहा। इसने संभावित बाढ़ के खतरों के बारे में सतर्क रहने के लिए कहा गया है।

समुद्र में खड़े होकर ले रहे फोटो...तभी गिरी चटटान

लंदन। सोशल मीडिया पर अक्सर इसतरह के वीडियो वायरल होते हैं, जिन्हें देखकर रौंगटे खड़े हो जाते हैं। हाल में इंग्लैंड के डोरसेट से ऐसा ही वीडियो सामने आया है जिसमें लोगों को प्राकृतिक आपदा से बाल-बाल बचते देखा गया। वीडियो में डोरसेट के वेस्ट बे में 150 फीट ऊंची चट्टान का एक हिस्सा गिरने से पर्यटकों का एक समूह उसके मलबे में दबने से बाल-बाल बच गया। यह घटना एक वीडियो में कैद हो गई और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। डोरसेट काउंसिल ने इसका वीडियो साझा किया, जिसमें किसी भी समय चट्टान गिरने और भूस्खलन की संभावना पर जोर दिया गया। परिषद ने सुरक्षा एहतियात के तौर पर चट्टान के ऊपर दक्षिण पश्चिम तट रूट को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। समुद्र तट पर जाने वालों ने ढहती हुई चट्टान को देखा और समय रहते सुरक्षित भागने में सफल रहे। वीडियो में दिखता है कि नारंगी टी-शर्ट पहने एक व्यक्ति को हेरीटेज की तस्वीर ले रहा है। तभी वहां पहाड़ी से छोटी चट्टानें गिरने लगती हैं। आखिरकार चट्टान का एक बड़ा हिस्सा टूटकर समुद्र में गिर जाता है। मलबे को पानी में गिरता देख वहां मौजूद लोग तेजी से वहां से हटते हैं।

रुस के टक्कर ले रही यूक्रेनी सेना में भष्ट्राचार, भर्ती में भाई-भतीजावाद

कीव । यूक्रेन भले ही रूस जैसी महाशक्ति से जंग शुरू होने के बाद से बर्बादी के मुहाने पर खड़ा है, मगर अब भी भ्रष्टाचार ने उसका पीछा नहीं छोड़ा है। रूस से जंग में काफी वाहवाही लूटने वाली यूक्रेनी सेना को अब शर्मिंदगी उठानी पड़ी है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद देश के हर इलाके में सेना की भर्ती के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया। जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह हरकत देशद्रोह के दायरे में आ सकती है। सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक के बाद जेलेंस्की ने एक पोस्ट में कहा कि 'हम सभी क्षेत्रीय सैन्य कमिश्नरों को बर्खास्त कर रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा कि यह सिस्टम उन लोगों के जरिये चलाया जाना चाहिए जो वास्तव में जानते हैं कि जंग क्या है और युद्ध के समय संशय और विश्वासघाती सबसे बड़े देशद्रोह क्यों है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अलग बयान में कहा कि 'क्षेत्रीय भर्ती केंद्रों के निरीक्षण के दौरान, कानून लागू करने वाली एजेंसियों ने भ्रष्टाचार के मामलों को उजागर किया। बयान में कहा गया है कि 'यूक्रेन की सामान्य लामबंदी एक प्रमुख क्षेत्र था, जिसमें निरीक्षकों ने बेईमानी की घटनाओं को उजागर किया था. ये यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं और राज्य संस्थानों में भरोसे को कमजोर करता है।

दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बना जकार्ता

जिनेवा। स्विटजरलैंड की वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी द्वारा इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता को सबसे प्रदूषित शहर करार देने के बाद अधिकारियों ने कहा कि वायु प्रदूषण का मुख्य कारण शुष्क मौसम और वाहनों से निकलने वाला धुआं है। दुनिया के चौथे सबसे अधिक आबादी वाले शहर जकार्ता में पिछले कुछ महीनों से हर सुबह घना धुआं और धूलभरा आसमान दिखाई देता है। आईक्यूएयर 'की हालिया रैंकिंग के अनुसार जकार्ता दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में शीर्ष पर है। जकार्ता पर्यावरण एजेंसी के प्रमुख एसेप कुस्वांटो ने कहा, वास्तव में, 2023 में अब तक जकार्ता की वायु गुणवत्ता की स्थिति में काफी उतार-चढ़ाव आया है। इंडोनेशिया में फिलहाल मौसम शुष्क है, जो जुलाई से सितंबर तक चलता है। सितंबर में वायु प्रदूषण चरम पर होता है। इस दौरान जकार्ता क्षेत्र में वायु गुणवत्ता खराब हो जाती है, क्योंकि यह देश के पूर्वी हिस्से से आने वाली शुष्क हवा से प्रभावित होती है। वायु प्रदूषण के लिए मोटर चालित वाहनों का उपयोग भी एक प्रमुख कारक है। जकार्ता शहर में एक करोड़ 10 लाख लोग रहते हैं, जबकि वृहद महानगर क्षेत्र में कुल तीन करोड़ लोग निवास करते हैं। वायु प्रदूषण एक संवेदनशील मुद्दा बन गया है, और 'सेटेलाइट समुदायों' से प्रतिदिन लाखों लोग इस शहर में आते हैं। इंडोनेशिया की एक अदालत ने 2021 में फैसला सुनाया था कि राष्ट्रपति जोको विदोदो और छह अन्य शीर्ष अधिकारियों ने नागरिकों के स्वच्छ हवा के अधिकारों की उपेक्षा की है।

सिंगापुर की जानी मानी भरतनाट्यम नृत्यांगना राठी कार्तिगेसु का निधन

सिंगापुर। सिंगापुर की जानी मानी भारतीय शास्त्रीय नृत्यांगना राठी कार्तिगेसु का निधन हो गया। वह 87 वर्ष की थीं। सिंगापुर में एक प्रभावशाली परिवार से ताल्लुक रखने वाली भरतनाट्यम नृत्यांगना राठी ने सोमवार को अंतिम सांस ली। उनके परिवार में उनके पुत्र आनंद कार्तिगेसु हैं, जो पेशे से वकील हैं। राठी का विवाह सिंगापुर के शीर्ष अपीली न्यायाधीशों में शामिल मुतातम्बी कार्तिगेसु से हुआ था। मुतातम्बी का 1999 में 75 वर्ष की आयु में निधन हो गया था।

फिलिस्तीनी उत्तरी तुल्कर्म शहर में महमूद जराद के अंतिम संस्कार के दौरान शोक संतप्त लोग उनके शव को ले जाते हुए। उत्तरी तुल्कर्म के फिलिस्तीनी शरणार्थी शिविर में इजरायली सैनिकों के साथ झड़प के दौरान एक फिलिस्तीनी की मौत हो गई और आठ घायल हो गए। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक प्रेस बयान में कहा कि 24 साल के महमूद जराद की झड़प के दौरान इजरायली सैनिकों द्वारा गोली लगने से मौत हो गई।

हवाई के जंगालों में लगी आग से अब तक 67 की मौत, भारत से गया बरगद हुआ राख

हवाई । अमेरिकी राष्ट्रपति जो वाईडन को इन दिनों एक बड़ी आपदा का सामना करना पड़ रहा है। यहां हवाई के जंगलों में आग लगने से मरने वालों की संख्या 67 हो गई है। बताया जा रहा है कि इस आग में डेढ़ सौ साल पुराना वह बरगद भी स्वाहा हो गया है, जिसे भारत से ले जाया गया था। सरकार के मुताबिक लाहिना की आग पर अभी तक काबू नहीं पाया गया है। इससे पहले, हवाई के जंगलों में ज्वाला धधकने लगी है। यहां के गवर्नर जोश ग्रीन ने कहा कि हवाई के माउई द्वीप पर जंगल की आग से मरने वालों की संख्या 59 तक पहुंच गई है। हालांकि बीते गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इसे 'बड़ी आपदा' घोषित कर दी। बताया जा रहा है कि इस भयानक आग में भारत से आयातित 150 साल पुराना बरगद का पेड़ भी राख हो रहा है। यह बरगद का पेड़ अमेरिका का सबसे पुराना पेड़ माना जाता है। जो कि माउई के हवाई द्वीप में घातक जंगल की आग के कारण झुलस रहा है। वहीं इस आग ने कई इमारतों को झुलसा दिया है। जानकारी के अनुसार इस बरगद के पेड़ को हवाई में पनियाना कहा जाता है, 1873 में जब इसे माउई के लाहिना शहर में लगाया गया था, तब यह महज 8 फुट का पौधा था। बरगद के पेड़ ने इस साल अप्रैल में अपना 150वां जन्मदिन मनाया। इस बरगद के पेड़ के नीचे अक्सर कार्यक्रम और कला प्रदर्शनियां आयोजित की जाती रही हैं। लाहिना रेस्टोरेशन फाउंडेशन के अनुसार, इस पेड़ में 46 तने हैं और यह लगभग दो-तिहाई एकड़ क्षेत्र को छाया देता है। बता दें कि ऐतिहासिक शहर लाहिना में बड़े पैमाने पर तबाही हुई है। शहर के केंद्र में जो कुछ भी है वह पूरी तरह से तबाह हो गया है। आग के कारण कोई वनस्पति नहीं बची है। तस्वीरों से पता चलता है कि बरगद का पेड़ जल गया है लेकिन खड़ा है। जानकारों ने सुझाव दिया कि पेड़ ठीक हो जाएगा, 'यदि जड़ें स्वस्थ हैं, तो यह संभवत वापस बढ़ेगा। लाहिना रेस्टोरेशन फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक थियो मॉरिसन ने मीडिया को बताया कि बरगद के पेड़ को मारना वास्तव में बहुत कठिन है।

पूर्वाग्रह से ग्रसित हैं बिलावल भुट्टो, एससीओ की वर्चुअल बैठक पर पाकिस्तान की टिप्पणी का भारतीय विदेश मंत्रालय ने दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की अध्यक्षता में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की वर्चुअल प्रारूप में आयोजित की जाने वाले शिखर सम्मेलनों पर पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के बयान को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने पूर्वाग्रह से ग्रसित बताया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि यह सोचना किसी के लिए भी धृष्टता होगी कि वर्चुअल मोड में आयोजित होने वाली एससीओ बैठक में एक कारक या एक व्यक्ति की भूमिका रही होगी। एससीओ शिखर सम्मेलन पर मुझे लगता है कि हमने उन विभिन्न कारकों के बारे में दो या तीन से अधिक अवसरों पर बात की है, जिनके कारण वर्चुअल मोड में एससीओ शिखर सम्मेलन का आयोजन किया।

अरिंदम बागची ने एक ब्रीफिंग में कहा कि किसी के लिए भी यह सोचना निश्चित रूप से अहंकारपूर्ण होगा कि इसमें एक कारक या एक व्यक्ति की भूमिका रही होगी। बिलावल भुट्टो की टिप्पणी भारत द्वारा इस वर्ष 4 जुलाई, 2023 को वर्चुअल प्रारूप में एससीओ लीडर्स समिट आयोजित करने के कुछ दिनों बाद आई, जहां पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ भी मौजूद थे।

हाल ही में बिलावल भुट्टो ने अपने एग्जिट प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि एससीओ के लिए उनकी भारत यात्रा ने देश को एससीओ नेताओं के शिखर सम्मेलन में वर्चुअल होने के लिए मजबूर किया। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री वहां होते तो यह भारत के लिए चिंता की बात होती।

आईसीसी विश्व कप पर

भारत की यात्रा के बारे में पाकिस्तान क्रिकेट टीम की सुरक्षा चिंता के बारे में पूछे जाने पर, अरिंदम बागची ने कहा, ÷मैच के मोर्चे पर हमें उम्मीद है कि यह एक अच्छा मैच है, न कि युद्ध। पाकिस्तान की क्रिकेट टीम के साथ आईसीसी विश्व में भाग लेने वाले किसी भी अन्य देश की तरह ही व्यवहार किया जाएगा।

अमेरिका में आत्महत्या के मामलों में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी, जानकार बंदूकों के चलाने का मान रहे कारण

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका में आत्महत्या करने की घटनाओं में पिछले साल रिकॉर्ड तोड़ बढ़ोतरी दिखाई दी। नए सरकारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले एक साल में अमेरिका में लगभग 49,500 लोगों ने अपनी जान ले ली, जो अब तक की सबसे ज्यादा संख्या है। अभी तक इस साल के लिए आत्महत्या के आंकड़ों की गिनती नहीं की है। फिर भी उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत के बाद से किसी भी समय की तुलना में अमेरिका में आत्महत्याएं इस समय सबसे ज्यादा आम बात हो गई हैं।

45 वर्षीय महिला क्रिस्टीना विल्बर ने कहा कि 'जरूर कुछ गड़बड़ है। यह संख्या नहीं बढ़नी चाहिए। उनके बेटे ने पिछले साल खुद को गोली मार ली थी। उन्होंने कहा कि 'मेरे बेटे को मरना नहीं चाहिए था। मुझे पता है कि यह जटिल है। लेकिन हमें कुछ करने में सक्षम होना होगा। कुछ ऐसा जो हम नहीं कर रहे हैं। क्योंकि अभी हम जो कुछ भी कर रहे हैं, वह मदद नहीं कर रहा है। जबकि जानकार कहते हैं कि आत्महत्या जटिल मुद्दा है और हाल ही में हुई बढ़ोतरी के पीछे कई कारण हो सकते हैं। जिसमें डिप्रेशन की अधिक दर और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की सीमित उपलब्धता शामिल है। जानकार कहते हैं कि इसका मुख्य कारण बंदूकों की बढ़ती उपलब्धता है। बंदूकों से की गई आत्महत्या की कोशिश अन्य तरीकों से किए गए प्रयासों की तुलना में कहीं अधिक बार मौत का कारण बनती हैं। अमेरिका में बंदूकों की बिक्री में और ज्यादा से ज्यादा घरों में बंदूक रखने की आदत भी बढ़ी है। एक रिसर्च में 2022 के शुरुआती डेटा का उपयोग करके पता लगाया गया कि देश की बंदूकों से की गई आत्महत्याओं की दर पिछले साल अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई।

2.5 साल के दिखे करीब 1000 यूएफओ...ब्रिटेन में दावा

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में 2.5 साल के भीतर करीब 1000 यूएफओ दिखने का दावा हुआ है। दावे से पहले विशेषज्ञ ने बताया कि एलियंस डिटेक्ट करने से बचने के लिए हमारे सोलर सिस्टम के ठीक बाहर अंधेरे स्थानों में छिपे हो सकते हैं। जनवरी 2021 के बाद से अभी तक जिन भी स्थानों पर सबसे ज्यादा और सबसे कम यूएफओ दिखाई दिए हैं, उनका एक मैप डॉक्यूमेंट तैयार किया गया है। यूएफओ को आधिकारिक तौर पर अनआइडेंटिफाइड एरियल फेनोमेना कहा जाता है।

रिपोर्ट के अनुसार, कुल 957 यूएफओ दिखे हैं। सबसे अधिक ग्लासगो क्षेत्र में दिखाई दिए। साल 2021 में 410 ऐसी घटनाएं हुईं, 2022 में 494 और इस साल 20 मई तक 53 घटनाएं हुई हैं। इनमें 25 फीसदी में सितारे जैसी वस्तु दिखाई दी, जो आसमान में घूम रही थी। 17 फीसदी गोल आकार की चीज दिखीं, 10 फीसदी वृत्ताकार की और 9 फीसदी सिलेंडर के आकार की। हाल में ही अमेरिकी कांग्रेस में वायु सेना के पूर्व खुफिया अधिकारी सेवानिवृत्त मेजर डेविड ग्रश से दूसरी दुनिया से संपर्क के संभावित सबूत के बारे में कहा था। उन्होंने कहा कि अमेरिका लंबे समय से चले आ रहे प्रोग्राम को छिपा रहा है। जिसके तहत उड़ने वाली अज्ञात वस्तुओं की रिवर्स इंजीनियरिंग की जाती है।

ग्रश की इन बातों ने तूफान ला दिया था। इसके बाद से वैज्ञानिकों को शक है कि अमेरिका को गुप्त तरीकों से दूसरी दुनिया पर जीवन होने के सबूत मिले हैं। इससे पहले इस साल के शुरुआत में एक वैज्ञानिक ने दावा किया था कि हो सकता है एलियंस डिटेक्शन से बचने के लिए सोलर सिस्टम के बाहर अंधेरी जगहों में छिपे हों, वहां अपने फायदे के लिए टर्मिनेटर जोन्स का इस्तेमाल कर रहे हों। इन क्षेत्रों में स्वीट स्पॉट भी शामिल हैं, जहां हमारे सोलर सिस्टम के बाहरी इलाके में ग्रह सितारों की परिक्रमा करते हैं। इसका मतलब ये कि उनकी एक साइड दिखाई देती है, जबकि दूसरी अंधेरे में रहती है।

किम जोंग उन ने थामी बंदूक, सेना को दिया जंग की तैयारी का आदेश, टेंशन में आए ये देश!

सियोल (एजेंसी)। हाथ में बंदूक लेकर उत्तर कोरिया के सनकी तानाशाह किम जोंग की तस्वीर इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। हथियार फैक्ट्री पहुंचे किम जोंग ने न सिर्फ खुद जंग का ऐलान कर डाला बल्कि छोटे छोटे हथियार बनाने का आदेश भी दिया। ये तो सभी को पता है कि नॉर्थ कोरिया के तानाशाह को हथियारों का जखीरा जमा करने की सनक है। उसके जखीरे में कई विनाशकारी हथियार हैं। उसकी बारूदी खजाने में अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइलें हैं। उसके तरकश में एटम बम जैसा विध्वंसकारी वेपन है। हाइड्रोजन बम की ताकत भी उसने हासिल कर ली है। बावजूद इसके बम और बारूद का जखीरा जमा करने की सनक उसकी बढ़ती जा रही है।

सेना के टॉप जनरल को बदला

किम जोंग उन अपनी सेना के टॉप जनरल को बदलने को लेकर भी चर्चा में हैं। उन्होंने अपनी आर्मी को वॉर के हिसाब से तैयारियां तेज करने को कहा है। उत्तर कोरिया के सरकारी न्यूज एजेंसी केसीएनए के मुताबिक किम जोंग ने सेंट्रल मिलिट्री कमीशन की बैठक में ये घोषणा की है। उन्होंने नार्थ कोरिया के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ सु ईल को बर्खास्त कर दिया। उनकी जगह जनरल री योंग को नया चीफ बना दिया। जनरल री योंग ने पहले भी आर्मी चीफ की भूमिका

निभाई है। फिर उन्हें 2016 में हटाकर नार्थ कोरिया का रक्षा मंत्री बना दिया गया था। फिलहाल शायद वो दोनों जिम्मेदारियां उठाएंगे।

सेना से हथियार परीक्षण को और तेज करने को कहा

अमेरिका और दक्षिण कोरिया द्वारा बड़े पैमाने पर संयुक्त रूप से सैन्य अभ्यास की तैयारियों के बीच उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी सेना को युद्ध रणनीतियों पर तेजी से अमल का आदेश दिया तथा सीमावर्ती इकाइयों के युद्ध अभियानों के विस्तार पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों के अभ्यास को हमले की तैयारी बताते हुए किम ने अपनी सेना से हथियार परीक्षण को और तेज करने को कहा। वर्ष 2022 की शुरुआत से 100 से अधिक मिसाइल का परीक्षण किया गया है जिससे कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव बढ़ गया है।

पाकिस्तान को मिला नया प्रधानमंत्री, शहबाज शरीफ की जगह कमान संभालने वाले अनवर उल हक कौन हैं?

इस्लामाबाद (एजेंसी)। बलूचिस्तान अवामी पार्टी के पाकिस्तानी सीनेटर अनवारुल हक काकर को विधानसभा भंग होने के कुछ दिनों बाद पाकिस्तान का कार्यवाहक प्रधानमंत्री नामित किया गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय से शनिवार को कार्यवाहक पीएम के तौर पर ककड़ के नाम की घोषणा की गई। निवर्तमान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और निवर्तमान विपक्षी नेता राजा रियाज के बीच शनिवार को एक बैठक में ककड़ के नाम पर सहमति बनी। 9 अगस्त को आम चुनाव के लिए मंच तैयार करते हुए विधानसभा को भंग कर दिया गया था, जिसमें पूर्व पीएम इमरान खान भाग नहीं ले पाएंगे।

नियमों के मुताबिक विधानसभा भंग होने के 90 दिन के भीतर चुनाव होगा। पाकिस्तान में इस साल के अंत में चुनाव होने हैं लेकिन परिसीमन के बाद नई जनगणना के नतीजों को निवर्तमान सरकार ने मंजूरी दे दी है, जिससे चुनाव से पहले परिसीमन करना एक संवैधानिक दायित्व बन गया है।

कौन हैं पाकिस्तान के कार्यवाहक पीएम अनवारुल हक?

अनवारुल हक मार्च 2018 से पाकिस्तान की सीनेट के सदस्य हैं। अनवर 2018 में बलूचिस्तान से एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुने गए थे। अनवारुल हक काकर ने सीनेट के भीतर बलूचिस्तान अवामी पार्टी से संसदीय नेता की भूमिका निभाई। ककड़ प्रवासी पाकिस्तानियों और मानव संसाधन विकास पर सीनेट की स्थायी समिति के अध्यक्ष थे। वह व्यापार सलाहकार समिति, वित्त और राजस्व, विदेशी मामले और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सदस्य थे।

संपादकीय

एक धनवान के अंतिम आत्म-अनुभव

अन्त समय सभी का आता है यह निश्चित है इसलिये धन हमारे जीवन में सही साधन से आये न की किसी को किंचित मात्र तकलीफ़देकर या अपने स्वास्थ्य की उपेक्षा करके आदि से । साथ मैं एक बात मैं और कहूँगा कि धन हो हमारे पास पर उसे इस तरह हमहावी नहीं होने दे कि अंदर की मानवता को ही वह नहीं मार दे । धन साधन हो सकता है लेकिन मंजिल आत्मा कि आगे निश्चित है ।वर्तमान समय को देखें तो इंसान ने हर क्षेत्र में प्रगति खूब कर रहा है ।संसार में कुछ धनाढ्य व्यक्ति ऐसे भी हैं जिनकी दौलत उसकी आनेवाली सौ पीढ़ी भी खर्च नहीं कर सकती ।उन लोगों ने धन तो खूब अर्जित कर लिया और आगे भी कर रहे हैं ।पर उनकी मानसिक शांतिबहुत दूर जा रही है ।उनके जीवन के हर दिन का हर मिनट किसी ना किसी काम के लिये बँटा हुआ है ।वो चाह कर भी अपना थोड़ा समयअपने मन की शांति के लिये नहीं निकाल सकता ।क्या धन दौलत ही जीवन है ।उतर मिलेगा-नहीं। जब इंसान प्रगति के पथ पर आगेबढ़ता है तो वो फिर पीछे लोट नहीं सकता ।वो दो कदम और आगे बढ़ने की सोचेगा तब कुछ और प्रगति कर पायेगा ।यह भी बात सत्य हैकि हर अविष्कार के पीछे कुछ ना कुछ नुक़सान ज़रूर होता है ।जैसे परमाणु बंब का अविष्कार,मोटर वाहन का प्रयोग,घर में हर काममशीन से करना और जिस फेक्टरी में हज़ारों वर्कर क़ार्य करते थे उसमें कम्प्यूटर युग ने कुछ लोगों तक सीमित कर दिया ।इसलिये मेरामत तो यह है कि प्रगति करनी है तो मुद्रा का प्रयोग करना भी अति अनिवार्य है ।पर इंसान को अपनी मन की शांति रखनी है तो वो उसइंसान के ऊपर निर्भर करता है कि मुझे अपनी लाइफ़ बेलेंस कैसे बनानी हैं । इस प्रकार किसी धनवान के अंत समय के विचार जो किवास्तव में सुविचार है । वह बोल रहा है आज मैं समझ रहा हूँ कि धन ही अपने आपमें सब कुछ नहीं है। अब इस अंतिम घड़ी में यह बातमेरे मन ने बार-बार कही है।

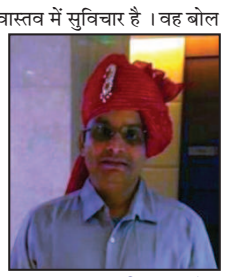

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

पूर्वाग्रहों से ग्रसित सोच का दंश झेलते पुरुष

चित्रांकन - संदीप जोशी

डॉ. ऋतु सारस्वत

हाल ही में देश की शीर्ष अदालत ने एक मामले में अहम टिप्पणी देते हुए कहा कि 'किसी पुरुष पर दुष्कर्म का झूठा आरोप उतना ही भयावह और पीड़ा देने वाला होता है जितना किसी महिला के साथ दुष्कर्म का झूठा आरोप, आरोपी को भी कष्ट, अपमान और नुकसान पहुंचाता हैज। ऐसे मामलों में अदालत का कर्तव्य बनता है कि वह सावधानी और बारीकी से हर पहलू को देखें।'

उल्लेखनीय है कि कुछ इसी तरह के मामले में पिछले माह इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा था 'दुष्कर्म के झूठे मुकदमों की प्रवृत्ति इतनी तेजी से बढ़ रही है कि वास्तविक मामले अपवाद जैसे लगने लगे हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि समय आ गया है कि अदालतें ऐसे मामलों में जमानत याचिकाओं की सुनवाई करते समय बहुत सतर्क रहें। कानून पुरुष के खिलाफ बहुत पक्षपाती है। एफआईआर में बेबुनियाद आरोप लगाना और किसी को भी फंसा देना बहुत आसान है। इसलिए यौन अपराधों से जुड़े मामलों में आरोपियों के अधिकारों की भी रक्षा होनी चाहिए तथा उनका पक्ष भी गंभीरता से सुना जाना चाहिए।' देश की उच्च अदालतों की यह टिप्पणियां एक ऐसे सामाजिक बदलाव की ओर संकेत कर रही हैं जहां बदला लेने का भाव मर्यादा के हर बंधन को तोड़ते हुए अमानवीयता का पक्षधर बनता हुआ दिखाई दे रहा है। यह तय है कि अगर भविष्य में इस प्रवृत्ति पर रोक नहीं लगी तो समाज पूरी तरह बिखर जाएगा।

प्रश्न यह है कि यकायक पिछले दशकों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानूनों का दुरुपयोग करने की प्रवृत्ति क्यों बढ़ी? इस प्रश्न का संक्षिप्त उत्तर है हमारा वह सामाजिक ढांचा जो उस विचारधारा के इर्द-गिर्द घूमता है कि महिलाएं बेहद संजीदा व संवेदनशील होती हैं।

उल्लेखनीय है कि 2013 में देश की शीर्ष अदालत ने 'कैनी राजन बनाम केरल राज्य' के मामले में निर्णय देते हुए इस बात को लेकर चिंता जताई थी कि 'दुष्कर्म के मामलों में न केवल पीड़िता के बयान को अत्यधिक महत्व दिया जाता है बल्कि उसे ससम्मान स्वीकार भी कर लिया जाता है लेकिन कुछ परिस्थितियां ऐसी भी होती हैं जब न्यायालय को संशय होता है और अगर इन परिस्थितियों के मध्य पीड़िता के प्रमाणित बयान को स्वीकार किया जाए तो वह उचित नहीं होगा।' विद्रूपता यह है कि पुरुषों को बिना किसी तथ्यात्मक आधार के असंवेदनशील व उच्छृंखल माना जाता है।

उल्लेखनीय है कि 2013 में देश की शीर्ष अदालत ने 'कैनी राजन बनाम केरल राज्य' के मामले में निर्णय देते हुए इस बात को लेकर चिंता जताई थी कि 'दुष्कर्म के मामलों में न केवल पीड़िता के बयान को अत्यधिक महत्व दिया जाता है बल्कि उसे ससम्मान स्वीकार भी कर लिया जाता है लेकिन कुछ परिस्थितियां ऐसी भी होती हैं जब न्यायालय को संशय होता है और अगर इन परिस्थितियों के मध्य पीड़िता के प्रमाणित बयान को स्वीकार किया जाए तो वह उचित नहीं होगा।' विद्रूपता यह है कि पुरुषों को बिना किसी तथ्यात्मक आधार के असंवेदनशील व उच्छृंखल माना जाता है। महिलाएं स्वयं इस सत्य से भलीभांति परिचित हैं कि समाज से लेकर पुलिस महकमा भी उनके प्रति सहानुभूति का भाव रखता है और उनके हर कथन को सत्य मानकर चलता है बिना इस तथ्य पर विचार किए कि महिलाएं एवं पुरुष स्वभावगत एक जैसे होते हैं। दोनों में ही ईर्ष्या, द्वेष तथा क्रोध जैसे भाव समान रूप से प्रवाहित होते हैं परंतु पुरुषों के प्रति घोर पूर्वाग्रह उन्हें आरंभ से ही अपराधी मानकर चलता है। जॉन डेविस ने अपनी पुस्तक 'फॉल्स एक्यूजेशंस ऑप रेप : लिंचिंग इन द फर्स्ट सेंचुरी' में उन मिथकों का वैज्ञानिक खंडन प्रस्तुत किया है कि महिलाएं दुष्कर्म के बारे में झूठ नहीं बोलती हैं। डेविस ने अनेक आंकड़ों के आधार पर अपने विस्तृत शोध में इस तथ्य को गंभीरता से उठाया है कि दुष्कर्म के झूठे आरोपों से पुरुष का पारिवारिक और सामाजिक जीवन तो समाप्त हो ही जाता है, वह अवसाद और मानसिक पीड़ा से भी नहीं उबर पाता। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि जब किसी पुरुष के विरुद्ध दुष्कर्म का आरोप लगता है तो मीडिया से लेकर आम जन समूह, तथा नारीवादी संगठन त्राहि-त्राहि करते हैं बिना वास्तविक तथ्य को जाने, उसे सामाजिक बहिष्कार, अपमान और असहनीय पीड़ा दी जाती है और अंततोगत्वा जब वह भी निर्दोष सिद्ध होता है तो कहीं भी इस संबंध में चर्चा तक नहीं होती। नवंबर 2014 में 'रेप ऑन केंपस' नाम से रोलिंग स्टोन में प्रकाशित सबरीना रूबिन एर्डली के लेख ने दुनियाभर में हलचल मचा दी थी। वर्जीनिया विश्वविद्यालय में एक छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को लेकर सबरीना ने विश्वविद्यालय के डीन तथा अन्य अधिकारियों पर लापरवाही जैसे आरोप लगाए परंतु चार्लोट्सविले पुलिस विभाग की जांच में दुष्कर्म जैसी किसी घटना के कोई सबूत नहीं मिले। दस सदस्यीय जूरी ने रोलिंग स्टोन की रिपोर्टर को मानहानि के लिए उत्तरदायी माना। यह सहज कल्पनीय है कि किस तरह दुष्कर्म की एक काल्पनिक घटना को बेहद ही सजीव ढंग से चित्रित करने से तथाकथित रुप से समाज के जिम्मेदार लोगों ने भी त्वरित रूप से इस बात पर भरोसा किया। रिचर्ड वेबास्टर का लेख 'द सीक्रेट ऑफ ब्रायन एस्टिन' उन सांस्कृतिक संदर्भों, विश्वास और झूठे आरोपों को सच करने और स्वीकार करने के लिए प्रेरक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। वह कारक जो एक निर्दोष व्यक्ति की सजा में योगदान देते हैं, के संबंध में वॉकर तथा स्टार्मर ने अपने अध्ययन 'मिस कैरिजेज ऑफ़ जस्टिस - ए रिव्यू ऑफ जस्टिस इन एरर' में विस्तृत चर्चा की है। उनका मानना है पुलिस तथा अभियोजन जांच में पुष्टिकरण पूर्वाग्रह, अपर्याप्त कानूनी सुरक्षा, संज्ञानात्मक पूर्वाग्रह, मीडिया रिपोर्ट का प्रभाव निर्दोष व्यक्ति के सत्य को दबा देता है।

भारत का कठोर यौन उत्पीड़न कानून इस तरह से तैयार किया गया है कि अभियोजन पक्ष अधिक प्रभावी ढंग से पैरवी कर सके और पीड़ित के सम्मान की बहाली हो सके। लेकिन इस कानून के बेजा इस्तेमाल से पुरुषों की स्थिति बेहद दुखद हो चुकी है। वर्ष 2016 में दिल्ली की एक अदालत ने कहा कि अब समय आ गया है कि दुष्कर्म के झूठे आरोपों का सामना कर रहे पुरुषों की सुरक्षा और उनकी प्रतिष्ठा बहाल किए जाने के लिए कानून बनाए जाएं क्योंकि हर कोई सिर्फ महिलाओं के सम्मान को बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है। न्यायालय ने यह भी कहा कि 'पुरुषों के लिए परेशानी आरोप मुक्ति के बाद भी जारी रह सकती है क्योंकि इस मामले में उनके फंसने पर समाज में इतना शोरगुल होता है लेकिन आरोप मुक्ति पर शायद ही ध्यान दिया जाता हो।' इस निर्णय के सात वर्ष व्यतीत होने के बाद भी सरकारें चेती नहीं हैं। देश की विभिन्न अदालतों में ऐसे मामलों की भरमार है। पुरुषों का निर्दोष होने पर भी सजा पाना, महिला सुरक्षा के लिए बने कानूनों का वह क्रूर पक्ष है जिसको लेकर चुप्पी बनी हुई है क्योंकि यह भय है कट्टर नारीवादी समूह लैंगिक समानता के नाम पर विरोध करेंगे। लैंगिक समानता की पैरवी करने वाली इस तथ्य से किंचित परिचित नहीं हैं कि पुरुषों को 'खलनायक' घोषित करके कभी भी लैंगिक समानता हासिल नहीं की जा सकती। जिन देशों से प्रेरित होकर कुछ समूह कट्टर नारीवाद के समर्थक बने हैं वे यह विस्मृत कर चुके हैं कि दुनिया के तमाम विकसित देशों में कानून लिंग निरपेक्ष है अर्थात कोई भी कानून लिंग आधार पर भेद नहीं करता। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि इस संपूर्ण संदर्भ में न्यायिक व्यवस्थाएं एवं सरकारें गंभीरता से विचार करें क्योंकि अपराध किए बिना जेल की सजा काटना उत्पीड़न के सबसे बुरे रूपों में से एक है। वीगैंड 'रीबिल्डिंग ए लाइफ द रांगफुली कनविकटेड एंड एक्सोनरेटड्' में उस पीड़ा की व्याख्या करते हैं जो एक निर्दोष वर्षों जेल में बिताने के बाद अपने जीवन के अवसरों को खोने के कारण महसूस करता है। क्या यह किसी भी स्थिति में न्यायोचित होगा कि पूर्वाग्रह से ग्रसित सोच का दंश निरंतर पुरुषों के हिस्से में आए। अगर ऐसा होता है तो भविष्य में निश्चित ही समाज का ताना-बाना पूरी तरह से बिखर जाएगा।

लेखिका समाजशास्त्री एवं स्तंभकार हैं।

गांव डिजिटल इंडिया की ओर बढ़ रहे हैं

(लेखक- विजय गर्ग)

हमारे लेखकों, विचारकों और राजनेताओं ने हमेशा दो भारत की बात की है- एक जो हमारे शहरों में रहता है और दूसरा हमारे गांवों में। दोनों राष्ट्र के अभिन्न अंग हैं फिर भी संस्कृति, आय, प्रौद्योगिकी और संसाधनों तक पहुंच में गहराई से विभाजित हैं। हालाँकि, हमारे देश के केंद्र में उभर रही डिजिटल क्रांति के कारण तकनीकी अंतर धीरे-धीरे कम हो रहा है। नील्सन के 2022 के एक अध्ययन के अनुसार, ग्रामीण भारत की इंटरनेट उपस्थिति शहरी भारत की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है। स्मार्टफोन की पहुंच, यूपीआई [यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस] और प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान जैसी सरकारी योजनाओं ने हमारे देश के दूरदराज के हिस्सों में इंटरनेट पहुंच को सक्षम किया है। परिणामस्वरूप, अप्रयुक्त मानव क्षमता को स्वयं को साकार करने के लिए जगह मिल रही है। कई कॉरपोरेट, गैर-लाभकारी और शैक्षिक स्टार्टअप वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और अन्य तकनीकी प्लेटफार्मों का लाभ उठाकर कौशल प्रशिक्षण, स्वास्थ्य और पोषण जागरूकता, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) सशक्तिकरण कार्यक्रम और बहुत कुछ के साथ ग्रामीण भारत तक पहुंच रहे हैं। मैं कुछ प्रमुख क्षेत्रों को साझा कर रहा हूं जो ग्रामीण आबादी को बेहतर कल के अवसर प्रदान कर रहे हैं। 1) शिक्षा भारतीय एडटेक बाजार मजबूत पकड़ बना रहा है। महाराष्ट्र के एक सरकारी स्कूल शिक्षक और 1 मिलियन के वैश्विक शिक्षक पुरस्कार के विजेता रणजीतसिंह दिसाले की हृदयस्पर्शी कहानी विशेष रूप से मार्मिक है। दिसाले ने पाठ्यपुस्तकों में क्यूआर कोड को ऑडियो कविताओं, वीडियो व्याख्यान, असाइनमेंट और बहुत कुछ के साथ जोड़कर क्रांति ला दी, जिससे छात्रों को, विशेष रूप से लड़कियों के लिए, स्कूल छूटने के दिनों में एक इंटरैक्टिव स्कूल वातावरण तक पहुंचने की अनुमति मिली। परिणामस्वरूप, शिक्षा मंत्रालय ने जल्द ही घोषणा की कि सभी एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों में क्यूआर कोड एम्बेड किए जाएंगे। इसी तरह, भारत सरकार ने दीक्षा और ई-पाठशाला जैसे मुफ्त डिजिटल ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म भी पेश किए हैं। दीक्षा शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों को निर्धारित स्कूल पाठ्यक्रम से संबंधित आकर्षक शिक्षण सामग्री प्रदान करती है। इसी तरह, एनसीईआरटी द्वारा विकसित ई-पाठशाला वेबसाइट और मोबाइल ऐप के माध्यम से पाठ्यपुस्तकों, ऑडियो, वीडियो, पत्रिकाओं और विभिन्न प्रकार की प्रिंट और गैर-प्रिंट सामग्री सहित शैक्षिक ई-संसाधनों की मेजबानी करती है। सामूहिक रूप से उपलब्ध ऐप्स 12 से 15 भारतीय भाषाओं में होस्ट स्पष्टीकरण वीडियो, ई-पुस्तकें, इंटरैक्टिव पाठ प्रदान करते हैं। यह बेहतर और अधिक समावेशी शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 2) स्वास्थ्य 2033 तक हेल्थटेक बाजार 50 अरब डॉलर का हो जाएगा (आरबीएसए सलाहकार रिपोर्ट)। यह एक ऐसा क्षेत्र है जो आशा कार्यकर्ताओं के सक्षम नेटवर्क के माध्यम से गैर सरकारी संगठनों, निजी क्षेत्र और सरकारी पहल की एजेंसी का उपयोग करता है। ईसंजीवनी ऐप (एक राष्ट्रीय ब्राउज़र-आधारित एप्लिकेशन जो डॉक्टर-से-डॉक्टर और रोगी-से-डॉक्टर टेली-परामर्श की सुविधा प्रदान करता है) ने पांच मिलियन से अधिक टेली-परामर्श की सुविधा प्रदान की है और यह महामारी के दौरान एक वरदान था, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। ईसंजीवनी ओपीडी के माध्यम से कोई भी ऑडियो और वीडियो के माध्यम से चिकित्सा सलाह के साथ-साथ दवा भी ले सकता है। महामारी के बाद से, कुछ गैर सरकारी संगठनों ने अस्पतालों को कोविड-19 देखभाल केंद्रों में परिवर्तित करने के बाद प्रसवपूर्व और बाल चिकित्सा देखभाल को पूरा करने के लिए प्रभावी वर्चुअल क्लीनिक बनाए हैं। इसके अलावा, स्टार्टअप्स द्वारा एकल मेडिकल स्टोरों का डिजिटलीकरण दूरदराज के इलाकों के मरीजों को उनके गांव की सीमा के बाहर दवाओं तक पहुंचने में सक्षम बनाता है। 3) कृषि खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार भारत के लगभग 70 प्रतिशत ग्रामीण परिवार कृषि पर निर्भर हैं। इसलिए, एग्रीटेक स्वाभाविक रूप से किसानों की रुचि आकर्षित कर रहा है,सरकारें, और निजी स्टार्टअप। ऐसा ही एक है कर्नाटक सरकार का ई-सहमति ऐप। ई-गवर्नेंस विभाग ने राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) की मदद से ई-सहमति ऐप विकसित किया है। इस ऐप के तहत, किसानों को अपनी फसल की जानकारी एग्रीगेटर के साथ साझा करने के लिए सहमत होना होगा जो बदले में किसान का नाम, उसकी फसल, भूमि जोत आदि जैसे विवरण खुदरा विक्रेता के साथ साझा करेगा। संक्षेप में, किसानों को अपनी उपज सूचीबद्ध करने और इसे सीधे खुदरा श्रृंखलाओं को बेचने की अनुमति देना-उन्हें अपनी फसल के लिए उचित मूल्य पर बातचीत करने की शक्ति प्रदान करना। अनेक स्टार्टअप ने समान बाज़ार बनाए हैं। बेन एंड कंपनी के शोध से पता चलता है कि भारतीय एग्रीटेक सेक्टर को 2017 से 2020 तक 1 बिलियन डॉलर की फंडिंग मिली। कई स्टार्टअप एंड-टू-एंड समाधान प्रदान करने के लिए एआई-सक्षम तकनीक और ऐप विकसित कर रहे हैं, जिसमें मिट्टी परीक्षण, माइक्रोफाइनेंस, मौसम अपडेट और शामिल हैं। अधिक। 4) आर्थिक सशक्तिकरण श्रम और रोजगार मंत्रालय का ई-श्रम पोर्टल, असंगठित श्रमिकों का एक डिजिटल डेटाबेस, डिजिटल उन्नयन का एक अच्छा उदाहरण है। पहली बार ई-श्रम निर्माण और प्रवासी श्रमिकों को संगठित तरीके से नौकरी के अवसरों तक पहुंचने की अनुमति देता है। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय के अनुसार, यह श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए है, यदि आपके पास श्रमिक कार्ड है तो बीमा लाभ के साथ 60 वर्ष की आयु के बाद पेंशन की पेशकश की जाती है। केंद्रीय श्रम मंत्री ने साझा किया है कि पोर्टल को 400 से अधिक व्यवसायों के लिए पंजीकरण प्राप्त हुए हैं। इन बाजारों की अनियमित प्रकृति को देखते हुए, कुशल श्रमिकों की तलाश और रोजगार की प्रक्रिया को आसान बनाने का यह एक शानदार तरीका है। रोजगार सृजन के अलावा, डिजिटल क्रांति ने ग्रामीण भारत में उत्पादों और सेवाओं के लिए बाजार मूल्य श्रृंखला का एक अभिन्न अंग बनाकर आर्थिक गतिविधियों के अवसर पैदा किए हैं - आपूर्तिकर्ता और उपभोक्ता दोनों के रूप में। इसे जन धन खाता-आधार-मोबाइल कनेक्टिविटी या जेएएम ट्रिनिटी, जैसा कि इसे लोकप्रिय रूप से कहा जाता है, से और सहायता मिली, जिससे करोड़ों लोग बैंकिंग प्रणाली में आए और लेनदेन में पारदर्शिता आई। 5) महिला सशक्तिकरण ग्रामीण समुदायों के साथ मेरे अनुभव ने मुझे आश्वस्त किया है कि हमारी महिलाएं एक दुर्जेय शक्ति हैं और यदि अवसर मिले तो वे अपने समुदायों का उत्थान कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, रायगढ़ के एक गांव अंग्रेकोंड ने डिजिटल और वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों की बदौलत 30 महिलाओं वाले स्वयं सहायता समूह बनाए हैं। कभी गृहिणी थीं, अब वे स्व-निर्मित उद्यमी हैं। कई गैर-लाभकारी संस्थाएं ग्रामीण समुदायों, विशेषकर महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए तकनीकी कंपनियों के साथ साझेदारी कर रही हैं। ये नेटवर्क समुदायों को ड्डश्व्हअह्लड्डद्र और सोशल मैसेजिंग ऐप्स के माध्यम से ऑनलाइन कौशल प्रशिक्षण से परिचित करा रहे हैं, जिससे वे उद्यमी बन सकते हैं और छोटे व्यवसायों का प्रबंधन कर सकते हैं। मैकिन्से के एक सर्वेक्षण के अनुसार, डिजिटल अर्थव्यवस्था 2025 तक 60 मिलियन नौकरियां पैदा कर सकती है, और इनमें से कई के लिए कार्यात्मक डिजिटल कौशल की आवश्यकता होगी।

भारतीय दंड संहिता,पुरानी बोतल में नई शराब

(लेखक-सनत जैन)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अंग्रेजों के बनाए कानून खत्म करने के लिए 160 साल बाद निर्णय लिया है। भारतीय दंड संहिता स्थापित करने के लिए राज्यसभा में बिल प्रस्तुत किया है। इस बिल में अभी तक आईपीसी की 511 धाराएं थी। उनके स्थान पर अब मात्र 356 धारा ही रहेगी। नए कानून में 8 धाराएं नई जोड़ी गई हैं। 22 धाराओं को खत्म किया गया है। 160 धाराओं का समावेश किया गया है। 160 साल बाद वीडियो कांफ्रेंसिंग, ट्रायल कोर्ट, पुलिस गिरफ्तारी की सूचना ईत्यादि के तौर तरीकों में बदलाव प्रस्तावित किया है। न्यूनतम ट्रायल कोर्ट को 3 साल के अंदर फैसला देने का प्रावधान किया जा रहा है। देश में कहीं पर भी एफआईआर दर्ज कराई जा सकती है। गिरफ्तार व्यक्ति की जानकारी देना,अब पुलिस अधिकारियों के लिए अनिवार्य किया जा रहा है। 7 साल या अधिक की सजा वाले अपराधों पर गिरफ्तारी के नियम को भी बदला जा रहा है। मौत की सजा को आजीवन कारावास अथवा आजीवन कारावास की सजा को 7 साल तक के लिए ही नियम बनाए जा रहे हैं। पुलिस को 90 दिन के अंदर आरोप पत्र पेश करना अनिवार्य होगा। 180 दिन के अंदर जांच पूरी कर ट्रायल शुरु करानी होगी। ट्रायल कोर्ट को 3 साल के अंदर फैसला देना होगा। वर्तमान न्यायिक व्यवस्था के प्रस्ताव से ऐसा लगता है, कुछ नया होने जा रहा है। लेकिन कुछ नया नहीं हो रहा है। हां 160 साल के बाद जो स्थितियां समय के बदलाव के साथ निर्मित हुई है। उनका प्रावधान जरूर भारतीय दंड संहिता में किया जा रहा है। अंग्रेजों के 160 साल पुराने कानून में भी 90 दिन के अंदर चालान पेश करना जरूरी था। लेकिन जांच एजेंसियां कई-कई माहों और वर्षों तक लंबित रखने लगी थी। जो कानून का उल्लंघन था। न्यायालयों ने इस मामले में मौन साधकर रखा था। जो चार्जशीट न्यायालय में पेश की जाती थी। उस पर दोनों पक्ष अपने-अपने दावे प्रस्तुत करते थे। न्यायालय को लगता था, कि पुलिस ने या जांच एजेंसी ने गलत मामला बनाया है, तो वह ट्रायल के स्तर पर ही केस का निपटारा कर देती थी। पुलिस यदि चालान और चार्ज शीट भी पेश नहीं करती थी, तो 90 दिन के बाद जमानत दिए जाने का अधिकार न्यायालयों के पास आज भी है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से न्यायपालिका में अनैतिकता, भ्रष्टाचार और लापरवाही बढ़ी है। उसके साथ ही लोगों की प्रताड़ना भी न्यायालयों में बढ़ गई। अब तो न्याय के नाम पर सीधे-सीधे आम लोगों के साथ न्यायालयों में अन्याय हो रहा है। अंग्रेजों के बने हुए, जो कानूनी प्रावधान आज भी लागू हैं। जो नया कानून गृहमंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में प्रस्तुत किया है। उसमें आम लोगों और सरकार के लिए अलग-अलग कानून है। जो अंग्रेजों के बनाये हुए कानून से भी ज्यादा है। नाम बदलने से कोई मनसा नहीं बदल जाती हैं। राजद्रोह का नाम देशद्रोह कर दिया गया है। सामुदायिक सजा का पहली बार प्रस्तावित भारतीय दंड संहिता में प्रावधान किया जा रहा है। माबलीचिंग के कानून को कड़ा बनाया जा रहा है। आईपीसी में समय-समय पर पहले भी बहुत सारे परिवर्तन हुए हैं। नाम अंग्रेजों की बनाई गई दंड संहिता का था। लेकिन संशोधन हमेशा होते रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह के कानून लागू हुए हैं। उसमें वर्षों तक लोगों को जमानत नहीं मिल रही है। जांच एजेंसियों द्वारा झूठे मुकदमे बनाए जा रहे हैं।कई वर्षों तक मुकदमा चलने के बाद, आरोपी अदालतों से निर्दोष बरी किये जा रहे हैं। जो नए कानून प्रस्तावित हैं, उनमें भी यही विसंगति विद्यमान है। समय के साथ-साथ सतही बदलाव करके हम कुछ समय के लिए स्थितियों को टाल जरूर सकते हैं। लेकिन बनाए गए नियम और कानूनो का सही तरीके से पालन नहीं किया जाता है। तो वह न्याय के नाम पर अधिकार संपन्न लोगों का अन्याय ही माना जाएगा। न्यायालय की प्रक्रिया और फीस इतनी महंगी हो गई है, कि आम आदमी वहन करने की स्थिति में नहीं है। जिनके पास पैसा है। जो अधिकार संपन्न है। वह अपने से कमजोर व्यक्तियों के खिलाफ तथा कथित कानूनी अस्त्र का उपयोग कर रहे हैं। जो नया कानून प्रस्तावित किया गया है। उसमें इस तरीके का कोई प्रावधान नहीं है, कि आरोपी को यदि गलत मामलों में फंसाया गया है। अदालत मामले का फैसला देते समय, यदि आरोपी को गलत तरीके से फंसाया गया है। तो फैसले के साथ ही इतने दिन वह मुकदमों और जेल की प्रताड़ना का शिकार हुआ है। आरोपी व्यक्ति को सामाजिक, आर्थिक, मान प्रतिष्ठा और बच्चों के भविष्य को नुकसान हुआ है। उसके परिवार जनों की प्रतिपूर्ति न्यायालय द्वारा फैसले के साथ ही की जाए।

लकड़ी कैसे पचा लेती है दीमक?

पेड़-पौधों में पाया जाने वाला सेलुलोज ही दीमक का भोजन होता है। इसलिए वे तमाम चीजें दीमक का भोजन होती हैं जिनमें सेलुलोज होता है। बहुत सी सूखी लकड़ी पर तुमने दीमक का घर बना देखा होगा। लकड़ियों के बने फर्नीचर, कॉपी-किताबों जैसी बहुत सी चीजों को दीमक चट कर जाती है और फिर वह सामान किसी काम का नहीं रह जाता। दीमक जो सेलुलोज भोजन के रूप में प्राप्त करती है उसे पचा पाने की क्षमता उसमें नहीं होती है। इसे पचाने के लिए दीमक को दूसरे जीव की मदद लेना पड़ती है। ये दूसरे जीव प्रोटोजोआ कहलाते हैं, जो दीमक की आँतों में रहते हैं। दोनों के बीच सहभागिता का रिश्ता होता है। दीमक लकड़ी को चबाकर निगल जाती है और आँतों में रहने वाले प्रोटॉजोअंस इस लकड़ी की लुगदी को भोजन में बदल देते हैं। इस भोजन से ही दोनों जीव अपना जीवन चलाते हैं। दीमक पर्यावरण में सफाईगार की भूमिका निभाती है पर कई बार यह कीमती सामान को खराब करके नुकसानदायक भी साबित होती है। दीमक समूह में रहती है और भोजन तलाशने में एक-दूसरे की मदद भी करती है। ये चींटियों से मिलती-जुलती लगती हैं। इसलिए इन्हें 'व्हाइट एंट' भी कहा जाता है। आकार के अलावा चींटियों से इनकी कोई समानता नहीं होती।

जानो स्पेस सूट के बारे में

बच्चो, आप लोगों ने सुनीता विलियम्स के बारे में जरूर सुना होगा। सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष में छह महीने तक रहने और सबसे लंबी स्पेस वॉक करने का रिकार्ड बनाया है। आप ने टेलीविजन चैनल और समाचार-पत्रों में सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों की तस्वीरें देखी होंगी। आपने देखा होगा अंतरिक्ष यात्री हमेशा एक खास तरह की ड्रेस पहनते हैं। एक मोटा सा सूट और उस पर हैलमेट और ऑक्सीजन मास्क भी लगा रहता है। अंतरिक्ष में जाने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों को यहीं सूट पहनना पड़ता हैं। इसे स्पेस सूट कहते है। इस स्पेस सूट को पहने बगैर अंतरिक्ष में रहना संभव नहीं होता है। स्पेस सूट की वजह से ही अंतरिक्ष के प्रतिकूल माहौल में अंतरिक्ष यात्री जीवित रह पाते हैं। इस स्पेस सूट को तैयार करने के लिए भी वैज्ञानिकों ने बहुत मेहनत और शोध किया हैं। यह सूट उस कपड़े से नहीं बना होता है, जिसे हम और आप पहनते हैं। नासा के वैज्ञानिक अंतरिक्ष की स्थितियों का आँकलन करने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों के लिए इस सूट को तैयार करते हैं। 'हार्ड अपर टोर्सो' नामक पदार्थ का इस्तेमाल करते हुए अंतरिक्ष यात्रियों के सूट तैयार किये जाते हैं। इस सूट को पहनने के बाद हमारे शरीर का तापमान और बाहरी वातावरण से शरीर पर पड़ने वाला दबाव नियंत्रित रहता है। इसके साथ ही यह सूट इस तरह से बनाया जाता है कि यह अंतरिक्ष में मौजूद हानिकारक किरणों से हमारे शरीर को बचाने के लिए कवच का काम करे। इस सूट के अंदर ही एक लाइफ सपोर्टिंग सिस्टम होता है, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों को शुद्ध ऑक्सीजन प्राप्त होती है। इस सूट के अंदर गैस और द्रव पदार्थों को रीचार्ज और डिस्चार्ज करने की व्यवस्था भी होती है। इस सूट में ही अंतरिक्ष यात्री वहाँ से एकत्रित किये गए, ठोस कणों को सुरक्षित रख सकते हैं।

पैंगुइन उड़ क्यों नहीं पाते हैं?

ऑस्ट्रिच और इमू की तरह पैंगुइन भी पंख होने के बावजूद उड़ते नहीं हैं। कहते हैं आज से ६५० लाख साल पहले पैंगुइन के पूर्वज उड़ पाते थे और धीरे-धीरे उनकी यह क्षमता खत्म हो गई। पैंगुइन के पूर्वज समुद्र के ऊपर उड़ते थे और भोजन की तलाश में समुद्र में डाइव लगाते थे। लाखों सालों पहले पैंगुइन की हड्डियाँ पक्षियों की तरह ही हल्की होती थीं और वे उड़ पाते थे, पर समय के साथ उनकी हड्डियाँ भारी हो गईं और वजन बढ़ जाने से उनका खुद को हवा में उठाना नामुमकिन हो गया। हालाँकि इन्हीं हड्डियों के कारण पैंगुइन अब पानी में डाइव बेहतर तरीके से लगा पाते हैं।

समुद्र में पायी जाने वाली विचित्र मछलियां

धरती के 70 प्रतिशत भाग में फैला हुआ सागर पृथ्वी की जलवायु को संतुलित रखने, भोजन और ऑक्सीजन प्रदान करने, जैव विविधता बनाये रखने और परिवहन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैज्ञानिकों के मतानुसार धरती पर प्रारंभिक जीवन सागर से ही प्रारम्भ हुआ था और चरणबद्ध विकास के फलस्वरूप यह धरती पर भी पनपने लगा और वर्तमान में उपलब्ध जैव विविधताओं का कारण बना।

वाइपर फिश

बेहद गहरे पानी और उच्च दबाव वाले क्षेत्र में रहने वाली यह मछली देखने में काफी डरावनी लगती है। बेहद कठिन परिस्थितियों में रहने के कारण यह बहुत कम खाने पर भी लम्बे समय तक जिन्दा रह सकती है। इसके पास से गुजरने वाले किसी भी शिकार का इसके नुकीले दांतों से बचना नामुमकिन ही है।

सिलिकेन्थ

प्रागैतिहासिक युग के प्राणियों के सामान दिखने वाली यह मछली एक जीवित जीवाश्म ही है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह ७ करोड़ वर्ष पहले मिलने वाली मछलियों की संरचना से काफी मिलती है।

इलेक्ट्रिक ईल

समुद्र में पायी जाने वाली यह ईल प्रजाति की मछली आकार में २ मीटर तक लम्बी और २० किलो तक वजनी हो सकती है। यह ६०० वोल्ट का तेज विद्युतीय झटका दे सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अपने विद्युत का इस्तेमाल रास्ता खोजने में भी कर सकती है।

मिस्ट्री शार्क

दुनिया के सबसे गहरे समुद्री क्षेत्र के रूप में विख्यात मरियाना ट्रेंच में पाई जाने वाली यह अत्यंत दुर्लभ शार्क की तस्वीर है। यह एक प्रागैतिहासिक जीव है जिसे सबसे पहले जापानी वैज्ञानिकों ने देखे जाने का दावा किया था।

स्टोनफिश

हिन्द महासागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर में पाई जाने वाली यह मछली एकदम पत्थर की तरह समुद्र की सतह पर निष्क्रिय पड़ी रहती है। जैसे ही कोई शिकार इसके पास आता है यह झपटकर उसे पकड़ लेती है। यह एक जहरीली मछली है और इसका शिकार हृदयाघात से बेहद दर्दनाक मौत मरता है।

स्टार गैजेर्स

यह समुद्र में पायी जाने वाली एक जहरीली मछली है। यह खुद को रेत में अच्छी तरह छुपा लेती है और जैसे ही शिकार इसके पास आता है तेजी से झपट्टा मारकर उसे पकड़ लेती है। अन्य मछलियों के विपरीत इसकी आँखें सामने की ओर होती हैं।

पफर फिश

पफर फिश अपने नाम के अनुसार खतरा महसूस होने पर ढेर सारा पानी अपने लचीले पेट में भरकर अपना आकार बढ़ा लेती है जिससे शिकार कंफ्यूज हो जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलती है। यह भी एक जहरीली मछली है।

फ्रिल्ड शार्क

बहुत गहरे पानी में पायी जाने वाली यह शार्क की अत्यंत दुर्लभ प्रजाति है जिसे देखने मात्र से ही भय उत्पन्न होता है। यह पत्थर की बनी हुई दिखती है और एक जीवित जीवाश्म है।

वैम्पायर स्क्विड

यह गहरे पानी में पाया जाने वाला एक प्रकार का स्क्विड ही है जिसने अपने आप को गहरे पानी के अनुकूल ढाल लिया है। यह अँधेरे में बल्ब के सामान चमकीली संरचनाओं से प्रकाश उत्पन्न करता है। खतरा महसूस होने की स्थिति में यह चमकीली स्याही छोड़ता है जिससे शिकारी चौंक जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलता है।

बिगफिन स्क्विड

स्क्विड प्रजाति से सम्बन्ध रखने वाला यह जीव गहरे पानी में पाया जाता है। यह स्क्विड आकार में १६ फीट तक लम्बा हो सकता है।

मड स्किपर

यह ऐसे समुद्र तटीय क्षेत्रों में रहती है जहाँ ज्वार और भाटा निरंतर आता रहता है। यह खारे पानी और जमीन दोनों पर रह सकती है। यह एम्फीबियन प्रजाति की तरह ही त्वचा से साँस ले सकती है।

एंगलर फिश

लगभग सभी महासागरों में पाई जाने वाली यह मछली आकार में १ मीटर तक लम्बी हो सकती है। इसके सर पर चारे के सामान संरचना होती है जिसे यह जब हिलाती है तो जीवन के लिए संघर्ष करते हुए चारे के सामान प्रतीत होता है जिससे दूसरी मछलियां आकर्षित होती हैं और इसका आसान शिकार बन जाती हैं।

हैमर हेड शार्क

देखने में किसी दूसरी दुनिया के जीव सी लगने वाली यह शार्क सामान्य रूप से दुनिया भर के महासागरों में पाई जाती है। इसकी आँखें शरीर से बहुत दूर होती हैं जो इसे ज्यादा क्षेत्र तक देखने में सक्षम बनाती हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित स्मारक माउंट रशमोर

माउंट रशमोर अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित एक स्मारक है। यह 60 फुट या 18 मीटर लंबी रचना है जिसमें भूतपूर्व राष्ट्रपतियों जार्ज वाशिंगटन, थॉमस जैफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन को अंकित किया गया है।

यह स्मारक 1,278 एकड़ में फैला हुआ है। इसकी देखरेख नेशनल पार्क सेवा द्वारा की जाती है जो संयुक्त राज्य अमेरिका के आंतरिकी विभाग का ब्यूरो है। इस स्मारक को वर्ष में लगभग 2 मिलियन लोग देखने आते हैं। पर्वत पर बनाए गए इस स्मारक को लकोटा सिउक्स भी कहा जाता है क्योंकि इसमें छह राष्ट्रपतियों मूर्तियाँ उकेरी गई हैं। बाद में इसका नाम न्यूयार्क के एक जाने-माने वकील चार्ल्स ई रशमोर के नाम पर रखा गया। असल में रशमोर पर्वत में इस तरह की कलाकृति उकेरने का उद्देश्य दक्षिणी डकोटा की ब्लैक हिल्स में पर्यटकों का आकर्षण बढ़ाना था। काँग्रेस के प्रतिनिधि मंडल और राष्ट्रपति केल्विन कूलिज के बीच लंबे समझौते के बाद यह प्रोजेक्ट प्रारंभ हो पाया। मूर्तिकार गुट्जन बोर्गलम के निर्देशन में 1927 में काम शुरु हुआ और 1941 में बनकर तैयार हुआ।

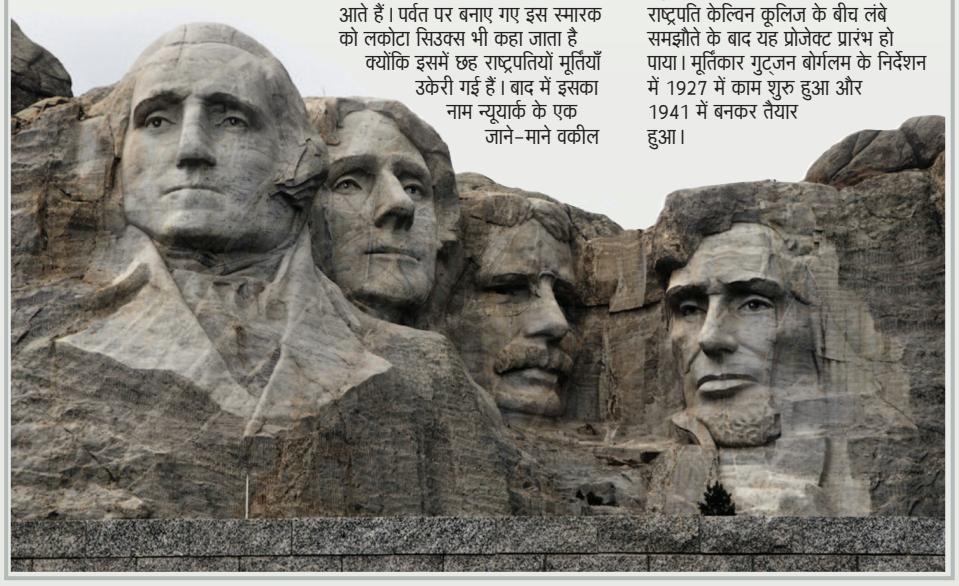

दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी जाइंट एंटइटर

इस घने बाल वाले प्राणी को एंट बियर भी कहते हैं। यह अपनी लंबी थूथन से कीटों को खाता है। इसकी सूंघने की शक्ति मनुष्य से 40 गुना अधिक होती है। यह अपनी जीभ को 18 इंच तक तेजी से बाहर निकाल सकता है। जाइंट एंटइटर दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी है जो अपने विचित्र मुख-आकार, थूथन और अपनी पतली व लम्बी जीभ से केवल चींटी, दीमक और अन्य छोटे कीट खाने के लिये प्रसिद्ध है। चींटीखोरों की चार जातियाँ पाई जाती हैं: सिर-से-पूँछ तक १.८ मी (५ फुट ११ इंच) लम्बा विशाल चींटीखोर, केवल ३५ सेमी (१४ इंच) लम्बा रेशमी चींटीखोर, १.२ मी (३ फुट ११ इंच) लम्बा उत्तरी तामान्दुआ और लगभग उतना ही लम्बा दक्षिणी तामान्दुआ। चींटीखोर पिलोसा नामक जीववैज्ञानिक गण में शामिल हैं जिसमें स्लॉथ भी आते हैं, यानि स्लॉथों और चींटीखोरों का आनुवंशिक (जेनेटिक) सम्बन्ध है।

वॉल मैगजीन

गर्मी की छुट्टियां खत्म हो गई थीं। सभी बच्चों के स्कूल खुल गए थे। सरगुन आठवीं कक्षा में पढ़ती थी। एक दिन असेम्बली में स्कूल की प्रिंसिपल स्वाति कपूर बोलीं, 'बच्चो, तुम सबके लिए एक बहुत अच्छी खबर है। तुम सभी ने गर्मी की छुट्टियों में बहुत कुछ नया सीखा होगा। तुम सब अपने माता-पिता के साथ घूमने भी गए होंगे। मैं चाहती हूं कि तुम सब अपने अनुभवों पर आधारित एक प्रोजेक्ट बनाकर जमा करो और जिसका प्रोजेक्ट सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे इनाम दिया जाएगा।' यह सुनकर सभी बच्चे खुशी से उछल पड़े।

प्रिंसिपल ने बच्चों को सिर्फ एक सप्ताह का समय दिया था। सभी बच्चे अपने-अपने तरीके से प्रोजेक्ट बनाने की तैयारियों में जुट गए। अचानक सरगुन की क्लास की सबसे चंचल और सुंदर लड़की गौरी बोली, 'हम सब तो कुछ न कुछ नया कर ही लेंगे, पर बेचारी सरगुन कैसे करेगी? इसके दाएं हाथ में तो केवल तीन।' उसकी बात पूरी होती, उससे पहले ही सरगुन की बेस्ट फ्रेंड अनिका बोली, 'गौरी, तुम्हें ऐसा नहीं बोलना चाहिए। देख लेना, सरगुन ही सबसे नई और उपयोगी वस्तु खोजेगी और तुम देखती रह जाओगी।' उसकी बात सुनकर गौरी ने मुंह चिढ़ा दिया और अपनी सीट पर बैठ गई ।

गौरी अक्सर सरगुन का मजाक उड़ाती थी। सरगुन के दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां थीं। उसकी दो उंगुलियां दो साल पहले एक एक्सीडेंट में बुरी तरह मसल गई थीं, इसलिए अब उसके दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां रह गई थीं। शुरुआत में सरगुन को अपना काम करने में थोड़ी परेशानी हुई, लेकिन फिर धीरे-धीरे उसे आदत पड़ गई। अब तो उसे ऐसा महसूस ही नहीं होता था कि उसकी दो उंगलियां नहीं हैं। सभी बच्चे अपना-अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगे हुए थे। प्रिंसिपल ने बच्चों को ग्रुप में प्रोजेक्ट बनाने की अनुमति दे दी थी, इसलिए सरगुन, अनिका और कुछ अन्य छात्रों के साथ अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगी हुई थी। किसी ने भी अपने प्रोजेक्ट की खबर किसी को नहीं होने दी थी। प्रोजेक्ट जमा कराने से एक दिन पहले सभी बच्चे इस बात को लेकर आश्वस्त थे कि उनका प्रोजेक्ट ही बेस्ट होगा। अगले दिन अचानक तेज बारिश होने लगी। सभी बच्चे स्कूल बड़ी मुश्किलों से अपने-अपने प्रोजेक्ट लेकर पहुंचे। स्कूल पहुंचकर सभी ने अपने-अपने प्रोजेक्ट निकाले। गौरी ने अपने सुंदर चित्रों से तैयार किए गए प्रोजेक्ट को निकाला तो यह देखकर उसके होश उड़ गए कि सारे चित्रों में न जाने कैसे पानी की बूंदें पड़ गई थीं। केवल दो-तीन चित्र ही साफ बचे थे, बाकी सभी में बड़े-बड़े धब्बे बन गए थे। यह देखकर गौरी खुद पर काबू नहीं रख पाई और रोने लगी। उसके रोने पर किसी का ध्यान नहीं गया। सभी अपने प्रोजेक्ट को सजाने-संवारने में जुटे थे।

अचानक सरगुन ने उसके कंधे पर हाथ रखा और बोली, 'गौरी, तुम्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है। तुम मेरे ग्रुप में शामिल हो जाओ । इससे तुम्हारे मार्क्स नहीं कटेंगे।' यह सुनकर गौरी को थोड़ी सांत्वना मिली। उसने अपने साफ चित्र सरगुन को देते हुए कहा, 'मेरे पास तो केवल ये हैं, तुम इन्हें अपने प्रोजेक्ट में कहीं प्रयोग कर सको तो अच्छा होगा।' सरगुन बोली, 'बिल्कुल गौरी, तुम्हारे चित्र मेरे प्रोजेक्ट को और सुंदर बना देंगे।' इसके बाद गौरी सरगुन के ग्रुप में शामिल हो गई। सभी बच्चों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट जमा करा दिए।

आखिर परिणाम का दिन भी आ गया। सभी बच्चे असेम्बली में खड़े हुए थे और बेसब्री से परिणाम का इंतजार कर रहे थे। अचानक मंच पर प्रिंसिपल आईं और बोलीं, 'सभी बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रोजेक्ट बनाए हैं। लेकिन पुरस्कार तो किसी एक को ही दिया जाना था, इसलिए इस बार आठवीं कक्षा के प्रोजेक्ट 'वॉल मैगजीन' को पुरस्कार के लिए चुना गया है। इस प्रोजेक्ट की ग्रुप हेड सरगुन है और उसके ग्रुप में अर्निका, गौरी, काव्या, तन्मय व गौरांश शामिल हैं। इस मैगजीन में सामान्य ज्ञान की बातों के साथ ही कहानी, कविता, चित्रों, पहेलियों, चुटकुलों और अन्य मनोरंजक जानकारियों को भी नए तरीके से पेश किया गया है। हमने निर्णय लिया है कि स्कूल की पत्रिका में इस सामग्री को डाला जाएगा और इन सभी बच्चों को उसके सम्पादन मंडल में शामिल किया जाएगा।' यह सुनकर सरगुन के साथ ही पूरा ग्रुप उछल पड़ा। इस समय सबसे भावुक गौरी थी। वह तुरंत उठकर सरगुन के पास गई और उसके गले लगते हुए बोली, 'सरगुन, अगर तुम मेरी मदद नहीं करतीं तो मैं मदद का मूल्य कैसे जान पाती? अब मैं कभी भी किसी का मजाक नहीं उड़ाऊंगी, हर किसी की मदद करूंगी।' सरगुन गौरी के हाथ में हाथ डालकर बोली, 'गौरी अभी तो स्कूल मैगजीन को ऊंचाइयों पर ले जाना है और तुम्हारे बनाए सुंदर चित्रों के बिना यह मुश्किल है।' इसके बाद पूरा ग्रुप एकसाथ अपनी जीत की खुशी मनाने लगा ।

बैंक में सफल विलय के साथ अब वित्तपोषण एक जोखिम है: जगदीशन

मुंबई ।

एचडीएफसी बैंक के प्रमुख शशिधर जगदीशन का कहना है कि एचडीएफसी लिमिटेड के बैंक में सफल विलय के साथ अब वित्तपोषण एक खतरा बना हुआ है। इसके अलावा ब्याज मार्जिन पर भी प्रभाव पड़ सकता है। एक जुलाई से विलय के प्रभाव में आने के बाद इसकी पहली वार्षिक आम बैठक में जगदीशन ने देश के सबसे बड़े बैंक के शेयरधारकों से कहा कि विलय का जोखिम इसका वित्तपोषण हिस्सा है। हालांकि उन्होंने भरोसा जताया कि बैंक वित्तपोषण चुनौती से निकलने में सक्षम होगा। निदेशक मंडल, नेतृत्व और कर्मचारी इस बात से भली-भांति परिचित हैं कि उन्हें क्या करना है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक जगदीशन ने कहा कि विलय की जो अहमियत है, वह इससे मिलने वाले लाभों से समझ में आता है। कर्मचारी वित्तपोषण चुनौती से निपटने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि समय ही बताएगा लेकिन हमें पूरा विश्वास है कि पिछले 10 साल में हम जिस तरह से आगे बढ़े हैं, ऐसा कोई कोई कारण नहीं है कि हम चुनौतियों से पार नहीं पा सकेंगे। जगदीशन ने कहा कि बैंक ने बॉन्ड जारी कर 50,000 करोड़ रुपए तक जुटाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगी है।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 5.84 लाख करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में 10 अगस्त तक प्रत्यक्ष कर संग्रह 5.84 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच चुका है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के मुकाबले 17.33 प्रतिशत अधिक है। यह संग्रह 2023-24 के लिए प्रत्यक्ष करों के कुल बजट अनुमान का 32.03 प्रतिशत है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 10 अगस्त, 2023 तक प्रत्यक्ष करों से संग्रह, जिसमें व्यक्तिगत आयकर और कॉर्पोरेट कर शामिल हैं, में स्थिर वृद्धि जारी है। सकल आधार पर चालू वित्त वर्ष में 10 अगस्त तक प्रत्यक्ष कर संग्रह 15.73 प्रतिशत बढ़कर 6.53 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि अब तक 69,000 करोड़ रुपए के रिफंड जारी किए गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3.73 प्रतिशत अधिक है। भारत मुख्य रूप से कॉर्पोरेट और व्यक्तिगत आयकर के माध्यम से प्रत्यक्ष कर एकत्र करता है।

एमपीएल के बाद अब हाइक में भी छंटनी

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन गेमिंग पर 28 फीसदी जीएसटी लगाने के फैसले के बाद इस क्षेत्र से जुड़े प्लेटफॉर्म 'हाइक' ने अपने करीब 55 कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। यह कंपनी के कुल वर्कफोर्स का पांचवां हिस्सा है। इसके पहले ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर की बड़ी कंपनी मोबाइल प्रीमियर लीग ने भी हाल ही में कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान किया है। हाइक के फाउंडर और सीईओ कविन भारती मित्तल ने 10 अगस्त को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि करीब 55 लोग हटाए गए हैं जिनमें से 24 अस्थायी कर्मचारी हैं। यह कर्मचारियों की कुल संख्या का करीब 22 फीसदी है। हमारा कारोबार बेहतरीन स्थिति में है लेकिन जीएसटी में 400 फीसदी का उछाल हमारे लिए बड़ा झटका है। मित्तल ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग पर 28 फीसदी की दर से जीएसटी लगाने से पड़ने वाले असर को कुछ हद तक कंपनी बर्दाश्त करेगी और इसी वजह से कर्मचारियों की संख्या में कटौती की जा रही है। हाइक प्लेटफॉर्म की समूची टीम वेब 3 गेमिंग मंच रश गेमिंग यूनिवर्स के विकास से जुड़ी हुई है। कंपनी करीब 52 लाख मंथली यूजर्स की मौजूदगी का दावा करती है। इसने विजेता राशि के तौर पर सालाना 30.8 करोड़ डॉलर की रकम वितरित की है। इसके पहले गेमिंग यूनिकॉर्न एमपीएल ने भी हाल ही में जीएसटी में 28 फीसदी की बढ़ोतरी के कारण लागत का बोझ कम करने के लिए छंटनी का ऐलान किया है। कंपनी ने अपनी भारतीय टीम के लगभग आधे या करीब 350 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का फैसला किया है। इसके अलावा, क्रिजी जैसे कुछ छोटे साइज के गेमिंग स्टार्ट-अप ने अपना कारोबार बंद करने की घोषणा की है।

सेबी ने नियम बदले, कुछ एफपीआई के लिए खुलासा जरूरतों को बढ़ाया

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बेहतर पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कुछ निश्चित श्रेणी के विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए खुलासा जरूरतों को बढ़ा दिया है। इसके तहत इन एफपीआई को स्वामित्व और आर्थिक हित का ब्योरा देना होगा। इसके अलावा नियामक ने एफपीआई के लिए पात्रता मानदंड से संबंधित कुछ नियमों में बदलाव भी किया है। सेबी की नियमों में संशोधन के बारे में जारी अधिसूचना के अनुसार बोर्ड द्वारा तय पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को समय-समय पर स्वामित्व रखने वाले, आर्थिक हित या नियंत्रण रखने वाले व्यक्ति से संबंध के बारे सूचना या दस्तावेज देना होगा। यह सूचना या दस्तावेज सेबी द्वारा निर्धारित तरीके से देनी होगी। इससे पहले नियामक ने मार्च में एफपीआई में लाभ वाले वाले मालिकों (बीओ) की पहचान के लिए धन शोधन रोधक (पीएमएल) नियम के तहत सीमा में संशोधन किया गया था। इसके बाद कंपनियों और न्यासों के लिए यह सीमा 10 प्रतिशत और भागीदारों और व्यक्तियों के निकाय के लिए 15 प्रतिशत की गई थी। बीओ के पास अंतत: एफपीआई का स्वामित्व या नियंत्रण रहता है और इनकी

पहचान पीएमएल नियमों के तहत होती है। सेबी ने इन नियमों को एफपीआई के पात्रता मानदंड के अनुरूप संशोधित किया है। यह बदलाव पीएमएल नियमों के तहत किया गया है।

जीटा मैक्स इलेक्ट्रिक साइकिल लॉन्च

-29,995 रुपये के ऑफर प्राइस पर किया पेश

नई दिल्ली ।

देश के बड़ी साइकिल निर्माता स्ट्राईडर ने जीटा मैक्स इलेक्ट्रिक साइकिल को लॉन्च किया है। इस साइकिल को कंपनी ने 29,995 रुपये के ऑफर प्राइस पर लॉन्च किया है। यह साइकिल पैडल असिस्ट समेत कई एडवांस फीचर्स के साथ आती है। कंपनी का दावा है कि इसे 1 किलोमीटर चलाने का खर्च महज 7 पैसे आता है। इस इलेक्ट्रिक साइकिल की रेंज कितनी है, इसमें क्या फीचर्स हैं और इसमें कितनी क्षमता की बैटरी लगाई गई है, आइए जानते हैं।स्ट्राईडर जीटा मैक्स इलेक्ट्रिक साइकिल को फुल चार्ज पर 35 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है। कंपनी ने इसमें 35 वोल्ट की लिथियम आयन बैटरी का इस्तेमाल किया है, जिसे पूरी तरह चार्ज होने में 4 घंटे का समय लगता है। इस साइकिल में पैडल असिस्ट तकनीक दी गई है जिसकी मदद से साइकिल को चढ़ाई वाली सड़क पर भी आसानी से चलाया जा सकता है। बता दें कि बाजार में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की बढ़ती डिमांड को देखते हुए अब साइकिल कंपनियां भी इलेक्ट्रिक साइकल्स लॉन्च कर रही हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार गिरा, गोल्ड रिजर्व भी कम हुआ

नई दिल्ली । देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार तीसरे हफ्ते गिरावट आई है। रिजर्व बैंक के मुताबिक चार अगस्त को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.41 अरब डॉलर से अधिक घटकर 601.45 अरब डॉलर रह गया है। इससे पिछले सप्ताह में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 3.16 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 603.87 अरब डॉलर रह गया था। देश का विदेशी मुद्रा भंडार अक्टूबर, 2021 में 645 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था लेकिन वैश्विक घटनाओं के कारण पैदा हुए दबावों के बीच रुपए को संभालने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग करने से इसमें गिरावट आई। इस बीच पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में भी बीते हफ्ते गिरावट आई। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार चार अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.93 अरब डॉलर घटकर 533.40 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। स्वर्ण भंडार का मूल्य 22.4 करोड़ डॉलर घटकर 44.68 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 17.1 करोड़ डॉलर घटकर 18.27 अरब डॉलर रह गया। साथ ही आईएमएफ के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 8.6 करोड़ डॉलर घटकर 5.09 अरब डॉलर रह गया।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी से ज्यादा गिरावट

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक के हालिया फैसलों का असर घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को गिरावट के रूप में देखने को मिला। बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी गई। बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि आरबीआई के लिक्विडिटी उपायों की प्रतिक्रिया में बैंकिंग शेयरों में गिरावट जारी रहने से घरेलू बाजार में बिकवाली का दबाव बना रहा। मुद्रास्फीति को लेकर बढ़ती चिंताओं ने घरेलू बाजार की धारणा को और कमजोर कर दिया। यूएस सीपीआई उम्मीद से कम आने और यूके जीडीपी अनुमान से बेहतर रहने के बावजूद वैश्विक भावना प्रतिकूल बनी रही। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स सुबह के कारोबार में 90 अंक की बढ़त के साथ 65811 पर खुला और 232.23 अंक की बढ़त के साथ 65,953.48 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 30 अंकों की तेजी के साथ 19547 पर खुला और 80.30 अंक की बढ़त के साथ 19,597.30 अंक पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 192 अंक ऊपर 65913 पर खुला और 106.98 अंक की गिरावट के साथ 65,846.50 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 20 अंक ऊपर 19617 पर खुला और 26.45 अंक की गिरावट के साथ 19,570.85 अंक पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 260.60 अंकों की गिरावट के साथ 65,585.90 पर खुला और 149.31 अंको की बढ़त के साथ 65,995.8 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी 58.30 अंक फिसल कर

19,512.55 पर खुला और 61.70 अंक उछलकर 19,632.55 के स्तर पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 76 अंक नीचे 65919 और पर खुला और 307.63 अंक टूटकर 65,688.18 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी 18 अंक नीचे 19614 पर खुला और 89.45 अंक फिसलकर 19,543.10 पर बंद हुआ। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में कमजोरी के साथ कारोबार की शुरुआत हुई। सेंसेक्स 254.29 अंकों की गिरावट के साथ 65,433.89 पर खुला और 365 अंकों (0.56 फीसदी) की गिरावट के साथ 65,322 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 79.30 अंक फिसलकर 19,463.80 पर खुला और 50 सूचकांक 115 अंकों (0.59 फीसदी) की गिरावट के साथ 19,428 पर बंद हुआ।

सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक ने एफडी पर ब्याज दर बढ़ाई

- वरिष्ठ नागरिकों को 4.50 से 9.10 और आम जनता को 4 से 8.60 फीसदी एफडी पर ब्याज दर

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ब्याज दर में बदलाव नहीं किया है लेकिन सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक (एसएसएफबी) ने वे रिष्ठ नागे रिक की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर मिलने वाले ब्याज दर में इजाफा किया है। सीनियर सिटीजन अब सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक की एफडी में निवेश कर 9 फीसदी से अधिक का ब्याज प्राप्त कर सकते हैं। बैंक अब वरिष्ठ नागरिकों को 4.50 फीसदी से 9.10 फीसदी और आम लोगों को 4 प्रतिशत से 8.60 फीसदी की ब्याज दर पर 7 दिनों से 10 साल में मैच्योर होने वाली एफडी पर ऑफर कर रहा है। बैंक की बेवसाइट के अनुसार ये ब्याज दर दो करोड़ रुपये से कम की डिपॉजिट पर मिलेगी। बैंक और एनबीएफसी वरिष्ठ नागरिकों को 7 दिन से लेकर 10 साल तक की अवधि के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम ऑफर कर रहा है। बैंक वरिष्ठ नागरिकों को अब 2 से 3 साल में मैच्योर होने वाली एफडी पर 9.10 फीसदी का ब्याज मिलेगा। वहीं, सामान्य ग्राहकों को इस अवधि की डिपॉजिट पर 8.6 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। 15 महीने से 2 साल से अधिक की अवधि पर बैंक बुजुर्गों को 9 फीसदी की दर से ब्याज ऑफर कर रहा है। सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक 7 दिन से 14 दिन की एफडी पर 4.50 फीसदी की दर से ब्याज ऑफर कर रहा है। 15 से 45 दिनों की फिक्स्ड डिपॉजिट पर बैंक 4.75 फीसदी का इंटरेस्ट ऑफर कर रहा है। 46 से 90 दिनों की एफडी पर 5.00 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। 91 से 6 महीने की फिक्स्ड डिपॉजिट पर 5.50 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा।

6 महीने से लेकर 9 महीने तक की डिपॉजिट पर बैंक 6.00 फीसदी का ब्याज देना का वादा कर रहा है. 9 माह से अधिक और 1 वर्ष से कम की एफडी पर 6.50 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। एक साल के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट पर बैंक 7.35 फीसदी की दर से ब्याज ऑफर कर रहा है। 1 साल से 15 माह तक की एफडी पर बैंक 8.75 फीसदी का ब्याज देगा। 15 महीने से 2 साल की अवधि की डिपॉजिट पर बैंक 9.00 फीसदी की दर से ब्याज ऑफर कर रहा है। 2 वर्ष से अधिक और 3 वर्ष तक की एफडी पर बैंक 9.10 फीसदी की दर से ब्याज देगा। 3 वर्ष से अधिक और 5 वर्ष से कम की एफडी पर बैंक 7.25 फीसदी की दर से ब्याज देगा। 5 वर्ष की एफडी पर 8.75 फीसदी और 5 साल से ऊपर और 10 साल तक की अवधि की एफडी पर बैंक 7.75 फीसदी की दर से ब्याज ऑफर कर रहा है।

चार बैंकों ने सभी तरह के लोन पर ब्याज दरें बढ़ाईं

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बीते गुरुवार को मौद्रिक समीक्षा बैठक में नीतिगत ब्याज दर को 6.5 फीसद पर बरकरार रखा था। इसके बाद भी चार प्रमुख बैंकों ने होम लोन समेत अन्य कर्ज की ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। इनमें बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी), केनरा बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और करूर वैश्य बैंक शामिल हैं। चारों बैंकों ने सभी ऋण के लिए सीमांत लागत आधारित उधार दर (एमसीएलआर) बदल दी है। एमसीएलआर वह मूल न्यूनतम दर होती है, जिसके आधार पर बैंक ग्राहकों को लोन देते हैं। बीओबी ने एक साल की एमसीएलआर को संशोधित कर 8.70 फीसद किया गया है। यह अभी 8.65 फीसद है। नई दरें 12 अगस्त से प्रभावी हो गई हैं। केनरा बैंक ने भी एमसीएलआर में 0.05 फीसद की वृद्धि की है। यह अब बढ़कर 8.70 फीसद हो गई है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने एमसीएलआर में 0.10 फीसद की वृद्धि की है। एक साल की एमसीएलआर 8.50 फीसद से बढ़कर 8.60 फीसद हो गई है। संशोधित दरें 10 अगस्त से प्रभावी हैं। वहीं निजी क्षेत्र के करूर वैश्य बैंक ने उधारी दर को 0.15 फीसद बढ़ाकर 7.75 फीसद कर दिया है। संशोधित दरें 14 अगस्त से प्रभावी होंगी। बैंकों के इस कदम से ग्राहकों को पर बोझ बढ़ेगा। होम लोन, पर्सनल लोन, कार लोन आदि की ईएमआई बढ़ जाएगी क्योंकि ये सभी एमसीएलआर से सीधा प्रभावित होते हैं।

जियो के उतरने के बाद कुछ टेलीकॉम कंपनियां बंद हुईं तो कुछ ने लिया मर्जर का सहारा

- डिज्नी+ हॉटस्टार ने तीसरी तिमाही में 12.5 मिलियन सब्सक्राइबर्स गंवाए

नई दिल्ली ।

मुकेश अंबानी की कंपनी जियो ने लाइव स्ट्रीमिंग सेक्टर में उतरने के बाद से खलबली मचा दी। जियो सिनेमा के आने के बाद से बाकियों की मुश्किल बढ़ने लगी है। सबसे ज्यादा नुकसान तो डिज्नी+ हॉटस्टार को हुआ है। जियो सिनेमा के आने के बाद भारत के टॉप लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफार्म डिज्नी+ हॉटस्टार को सब्सक्राइबर्स का भारी नुकसान हुआ है। डिज्नी+ हॉटस्टार ने तीसरी तिमाही में 12.5 मिलियन सब्सक्राइबर्स गंवा दिए। अप्रैल से जून तिमाही के बीच डिज्नी+ हॉटस्टार के रेवेन्यू में 20 फीसदी तक की गिरावट आई है। चैनल को 1.2 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। आईपीएल के कारण डिज्नी+ हॉटस्टार को भारी नुकसान हुआ है। डिज्नी+हॉटस्टार ने अप्रैल-जून तिमाही में 1.2 करोड़ सब्सक्राइबर्स खो दिए हैं। आईपीएल की स्ट्रीमिंग राइट्स नहीं मिलने के चलते उसे बड़ा नुकसान हुआ। जियो सिनेमा के मुकाबले यह कंपनी आईपीएल के स्ट्रीमिंग अधिकारों को अपने पास रखने में नाकाम रही थी। जिसका असर उसके सब्सक्राइबर्स के नंबर पर पड़ा है। जून 2023 तक डिज्नी+ हॉटस्टार के 40.4 मिलियन सब्सक्राइबर्स थे, जो कि बीते साल अक्टूबल के मुकाबले 21 मिलियन कम थे।

गौरतलब है कि बीते साल डिज्नी ने भारतीय स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म हॉटस्टार का अधिग्रहण किया था। इसके बाद कंपनी ने आईपीएल की लाइव स्ट्रीमिंग के राइट्स हासिल किए। इसके बाद कंपनी ने लाखों ग्राहक जोड़े, लेकिन जैसे ही इस बाजार में मुकेश अंबानी की एंट्री हुई पूरा खेल पलट गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की कंपनी जियो सिनेमा ने पिछले सीजन के आईपीएल के डिजिटल राइट्स हासिल कर किए। मुकेश अंबानी की कंपनी ने 23758 करोड़ रुपये में आईपीएल डिजिटल स्ट्रीमिंग के राइट्स हासिल किए। जिसके बाद से जियो के सब्सक्राइबर्स की संख्या 3.2 करोड़ तक बढ़ गए।

गुजरात और राजस्थान में पेट्रोल और डीजल महंगा

- ब्रेंट क्रूड 0.41 डॉलर बढ़कर 86.81 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मामूली तेजी देखी जा रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.37 डॉलर की बढ़त के साथ 83.19 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.41 डॉलर बढ़कर 86.81 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा रेट जारी कर दिए हैं। गुजरात में पेट्रोल और डीजल 70 पैसे महंगे होकर बिक रहे हैं। पंजाब में पेट्रोल 21 पैसे और डीजल 20 पैसे महंगा हो गया है। राजस्थान में पेट्रोल 38 और डीजल 34 पैसे महंगा हो गया है। इसके अलावा तमिलनाडु, ओडिशा, जम्मू-कश्मीर में भी पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं। दूसरी तरफ महाराष्ट्र में पेट्रोल 31 पैसे और डीजल 29 पैसे सस्ता हुआ है। हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल 34 और डीजल 32 पैसे सस्ता होकर बिक रहा है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपए और डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 97.58 पेट्रोल रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.48 रुपए और डीजल 94.26 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

परियोजनाओं के पर्यावरण प्रभाव के सही आकलन के लिए ग्रीन रेटिंग जरूरी: दास

- विकासशील देशों को हरित परियोजनाओं के लिए पर्याप्त कोष मिले

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने परियोजनाओं के सही मायने में पर्यावरणीय प्रभाव को प्रतिबिंबित करने वाली उचित 'हरित रेटिंग' की जरूरत बताई।

इसके साथ ही उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि विकासशील देशों को हरित परियोजनाओं के लिए पर्याप्त कोष मिले। वित्त मंत्रालय और आरबीआई की तरफ से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर आयोजित जी-20 सेमिनार को संबोधित करते हुए दास ने कहा कि वैश्विक वृद्धि के लिये प्रमुख जोखिम जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ मुद्रास्फीति, वित्तीय स्थिरता और भू-राजनीतिक दबाव है। हमारा ध्यान हरित (ऊर्जा) बदलाव के लिए पर्याप्त और सस्ता वित्तपोषण की उपलब्धता के जरिये जलवायु परिवर्तन जैसी दीर्घकालिक संरचनात्मक चुनौतियों पर होना चाहिए। हालांकि, हमें हरित बदलावों के लिए वित्तीय स्थिरता पर पड़ने वाले असर को लेकर सचेत रहने की भी जरूरत है। हरित पूंजी प्रवाह आज ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक, संचालन व्यवस्था) रेटिंग पर निर्भर है।

हाल के शोध से पता चलता है कि ये ईएसजी रेटिंग इन निवेश की वित्तीय और गैर-वित्तीय प्रभावों को पर्याप्त रूप से प्रतिबिंबित नहीं करती हैं। उन्होंने कहा कि इसीलिए यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि हरित रेटिंग परियोजनाओं के वास्तविक पर्यावरणीय प्रभाव को प्रतिबिंबित करे ताकि 'गलत हरित दावों' से बचा जा सके।

दास ने आर्थिक गतिविधियों और वृद्धि संभावनाओं को नुकसान पहुंचाये बिना व्यवस्थित रूप से हरित बदलाव की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि यह और भी अधिक आवश्यक है क्योंकि हरित परियोजनाओं के लिए वास्तविक वित्तीय प्रवाह अत्यधिक विषम है और काफी हद तक विकसित अर्थव्यवस्थाओं में केंद्रित है।

इसीलिए उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में हरित पूंजी प्रवाह को बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता है।

इस दशक में ईवी की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत पर पहुंचने की उम्मीद: टाटा मोटर्स

नई दिल्ली ।

टाटा मोटर्स ने कहा कि इस दशक के ओ खिर तक देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की सालाना बिक्री 10 लाख यूनिट को पार पहुंचने की संभावना है। कंपनी को इस दौरान अपनी कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहन की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत पर पहुंचने की उम्मीद है। टाटा मोटर्स वर्तमान में तिमाही आधार पर अपनी कुल बिक्री का 14-15 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहनों से हो सिल करती है।

कंपनी ने एक लाख इलेक्ट्रिक वाहनों की कुल बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। टाटा मोटर्स यात्री वाहन के एक अे धिकारी ने कहा कि पांच साल पहले इलेक्ट्रिक वाहन प्रति महीने महज 90 यूनिट बिकते थे। आज ये प्रति माह 8,500 से 9,500 यूनिट पर पहुंच चुके हैं, जो लगभग 100 गुना है। पांच साल पहले उद्योग ने लगभग 2,000 कारें बेची थीं और हम इस वर्ष पहले से ही एक लाख से अधिक इकाइयों की वार्षिक दर के बारे में बात कर रहे हैं, जो 50 गुना वृद्धि है। अधिकारी ने कहा कि अगले पांच साल में यह कम से कम-से-कम 10 गुना होकर 10 लाख यूनिट हो सकता है। पिछले दिनों टाटा मोटर्स के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा था कि जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) की इलेक्ट्रिक व्हीकल को लेकर बड़ी योजना है।

टाटा मोटर्स की सालाना आम बैठक को ऑनलाइन तरीके से संबोधित करते हुए चंद्रशेखरन ने कहा कि कंपनी अपने कम-से-कम 50 प्रतिशत वाहनों को इलेक्ट्रिक या हरित परिवहन वाहनों में बदलने की उम्मीद कर रही है। इसी तरह सब्सिडियरी कंपनी जेएलआर का लक्ष्य 2030 तक अपने 65 प्रतिशत वाहनों को ग्रीन टेक्नोलॉजी पर लाने का है।

कौन हैं सितांशु कोटक, जो आयरलैंड के खिलाफ टीम इंडिया के हेड कोच होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में आयरलैंड का दौरा करने वाली टीम इंडिया ए के मुख्य कोच राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक होंगे। सतांशु आयरलैंड के खिलाफ तीन टी20 मैचों के लिए भारतीय टीम की कोचिंग का जिम्मा संभालेंगे।

बता दें कि, कोटक को घरेलू क्रिकेट का अच्छा अनुभव हैं और वो ह्यूह में कोचिंग सेट-अप का हिस्सा हैं। एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण के भारतीय टीम के साथ आयरलैंड जाने की संभावना थी। लेकिन अब वो बैंगलुरु में चल रहे इमर्जिंग कैप की देखरेख के कारण टीम के साथ नहीं जाएंगे। वहीं मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर, गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे को एशिया कप और फिर वर्ल्ड कप के व्यस्त कार्यक्रम के कारण सीरीज के लिए ब्रेक दिया गया है।

राहुल द्रविड़ और विक्रम राठौड़ इस समय फ्लोरिडा में वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी दो टी20 मैचों के लिए अमेरिका में हैं और इस महीने के आखिर में एशिया कप की तैयारियों के लिए टीम में फिर से शामिल होंगे।

चेतेश्वर पुजारा ने एक और शतक जड़ा, ससेक्स ने समरसेट को दी मात

बेंगलुरू (एजेंसी)। चेतेश्वर पुजारा का इंग्लैंड काउंटी में शानदार प्रदर्शन जारी है जिन्होंने लिस्ट ए के तीन मैचों में दूसरा शतक जड़कर ससेक्स को एकदिवसीय कप मैच में समरसेट पर चार विकेट की आसान जीत दिलाने में मदद की। पुजारा ने 113 गेंद में 11 चौके जड़ित नाबाद 117 रन की पारी खेली जिससे शुक्रवार को ससेक्स ने 11 गेंद रहते 319 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया।

हालांकि पुजारा के शतक से ससेक्स के ग्रुप तालिका में स्थान पर कोई बदलाव नहीं हुआ जिसमें वह ग्रुप बी में नौ टीमों में निचले स्थान पर बरकरार है। यह ससेक्स की इस साल की प्रतियोगिता में पहली जीत थी। पुजारा भारत के लिए अंतिम बार विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में खेले थे लेकिन इसके बाद वेस्टइंडीज दौरे के लिए उन्हें टीम में जगह नहीं दी गयी। वह ससेक्स के लिए पिछले दो काउंटी सत्र के ज्यादातर हिस्से में सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में थे। जिसमें उन्होंने प्रथम श्रेणी और लिस्ट ए मैच दोनों में रन जुटाये थे। बल्कि वह दलीप ट्राफी में पश्चिम क्षेत्र के लिए खेलने के बाद ससेक्स के बचे हुए सत्र में क्लब से जुड़े। पुजारा का लिस्ट ए के 121 मैचों में 58.48 का शानदार औसत है और शुक्रवार को 50 ओवर के प्रारूप में यह उनका 16वां शतक था।

वहीं, समरसेट ने एंड्रयू उम्मीद (119 रन) और कर्टिस कैम्फर (101 रन) ने 163 रन की साझेदारी से 50 ओवर में छह विकेट पर 318 रन का स्कोर खड़ा किया। फिर लक्ष्य का पीछा करने उतरी ससेक्स के लिए पुजारा ने टॉम अलसोप (60 रन) के साथ 88 रन की भागीदारी निभायी। फिर कुछ और संक्षिप्त साझेदारियों से ससेक्स ने आराम से लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच से पहले पुजारा ने ससेक्स के लिए 23, नाबाद 106 और 56 रन की पारियां खेलीं।

– पाकिस्तान टीम के भारत में खेलने पर बोला विदेश मंत्रालय

जो व्यवहार अन्य टीमों से करेंगे, वही पाक की टीम के साथ भी होगा

-वर्ल्ड कप में पाकिस्तानी टीम की सुरक्षा के सवाल पर विदेश मंत्रालय ने किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड कप के दौरान पाकिस्तानी क्रिकेट टीम की सुरक्षा के सवाल पर विदेश मंत्रालय ने खुलासा किया है। प्रवक्ता अ?रिंदम बागची ने कहा कि जो व्यवहार अन्य टीमों के साथ करेंगे, वही पाकिस्तानी टीम के साथ भी होगा। बता दें कि पाकिस्तानी टीम भारत में होने वाले क्रिकेट वर्ल्ड कप से पहले सिक्योरिटी पर चिंता जता चुकी है। अब इस मामले में भारत सरकार ने अपना जवाब भेज दिया है। भारत सरकार ने साफ कहा कि वर्ल्ड कप 2023 में पाकिस्तानी टीम के साथ टूर्नामेंट में वैसा ही व्यवहार होगा, जैसा दूसरी टीमों के साथ होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने वर्ल्ड कप 2023 में पाकिस्तानी खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में ये बात कही। बागची ने कहा कि पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के साथ आईसीसी वर्ल्ड कप में भाग लेने वाले किसी भी अन्य देश की टीम के तरह ही व्यवहार किया जाएगा। जहां तक सुरक्षा मुद्दों का संबंध है, यह सवाल हमारी सुरक्षा एजेंसियों और आयोजकों से पूछे जाने चाहिए। गौरतलब है कि वर्ल्ड कप के मैच 5 अक्टूबर से खेले जाएंगे। वहीं 19 नवम्बर को फाइनल मैच के साथ इसका समापन होगा।

बता दें कि भारत पहली बार वनडे वर्ल्ड कप का आयोजन अकेले कर रहा है। 2011 के बाद यानी 12 साल बाद 50 ओवर के वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी मिली है, तब भारत ने संयुक्त ने मेजबानी की थी। इससे पहले 1996 और 1987 में भारत संयुक्त रूप से ओडीआई वर्ल्ड कप का आयोजन कर चुका है। हालांकि पाकिस्तान की क्रिकेट टीम सात साल बाद भारत आएगी। आखिरी बार पड़ोसी देश 2016 में टी20 वर्ल्ड कप खेलने के लिए यहां आया था। दरअसल, पाकिस्तान की सरकार ने अपनी टीम को भारत भेजने की मंजूरी देते हुए बेहतर सुरक्षा मुहैया कराने की मांग रखी थी। भारत बनाम पाकिस्तान का वर्ल्ड कप 2023 मैच भिड़ंत 14 अक्टूबर को अहमदाबाद में होगी। हालांकि पहले दोनों ही टीमों के बीच यह मुकाबला 15 अक्टूबर को होना तय हुआ था। लेकिन, इसमें बदलाव कर दिया गया।

पूर्व पाक खिलाड़ी का टीम इंडिया पर हमला, कहा- पाकिस्तान के पास भारत से अच्छी टीम...

पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी सरफराज नवाज ने टीम इंडिया पर निशाना साधते हुए कहा है कि, भारत वनडे वर्ल्ड कप के लिहाज से अपनी टीम तैयार नहीं कर पाया है। जबकि उसकी तुलना में पाकिस्तान टीम कहीं ज्यादा संतुलित टीम है। दरअसल आगामी एशिया कप और फिर वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान की टीमें आमने सामने होंगी। भारत और पाकिस्तान 2 सितंबर को पहले एशिया कप में फिर 14 अक्टूबर को वर्ल्ड कप में एक-दूसरे से भिड़ेंगे। इन मुकाबलों से पहले ही दोनों टीमों के विश्लेषण का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में पाक दिग्गज सरफराज नवाज ने पाकिस्तान टीम को भारतीय टीम से बेहतर बताया है। इस दौरान सरफराज ने कहा कि, पाकिस्तान के पास भारत की तुलना में एशिया कप और वर्ल्ड कप के लिए कहीं ज्यादा संतुलित टीम है। भारतीय टीम अभी भी इन बड़े टूर्नामेंट के लिए अपना आखिरी कॉम्बिनेशन तैयार नहीं कर पाई है। नवाज ने आगे कहा, 'कप्तान बदल रहे हैं, कई नए खिलाड़ियों को आजमाया जा रहा है। कोई भी ढंग का कॉम्बिनेशन नहीं है। मुझे लगता है कि भारतीय टीम को बनाने के बजाय उसे बर्बाद किया जा रहा है।' उन्होंने आगे कहा कि, टीम इंडिया ना केवल वर्ल्ड कप का मेजबान देश होने के कारण से दबाव में रहेगी बल्कि पिछले 10 सालों में आईसीसी ट्रॉफी ना जीत पाने का भी दबाव उन पर होगा।

जेसिका पेगुला ने मांट्रियल क्वार्टरफाइनल में युगल जोड़ीदार कोको गॉफ को हराया

मांट्रियल। (एजेंसी)। अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने शुक्रवार को हमवतन और अपनी युगल जोड़ीदार कोको गॉफ को 6-2, 5-7, 7-5 से हराकर लगातार तीसरे साल नेशनल बैंक ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है।

पेगुला और गॉफ की जोड़ी ने शुक्रवार को अपने युगल मैच से हटने का फैसला किया था जिससे जापान की शुको ओयामा और इना शिबाहारा की जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंच गयी थी।

वहीं पेगुला का सामना अब सेमीफाइनल में शीर्ष वरीय इगा स्वियातेक से होगा। पोलैंड की स्वियातेक ने अमेरिकी क्वालीफायर डेनियल कोलिंस को 6-3, 4-6. 6-2 से शिकस्त दी। एकल के अन्य क्वार्टरफाइनल में 15वीं वरीय रूस की लियूडमिला सामसोनोवा ने स्विट्जरलैंड की 12वीं वरीय बेलिंडा बेनसिच को 6-4, 6-4 से हराया।

लीग्स कप : लियोनेल मेस्सी ने गोल किया, इंटर मियामी सेमीफाइनल में

फोर्ट लॉडरडेल (फ्लोरिडा)। इंटर मियामी ने लीग्स कप क्वार्टरफाइनल में चार्लोट को 4-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया जिसमें लियोनल मेस्सी ने अपने नए क्लब के लिए 86वें मिनट में गोल दागा। पिछले साल अर्जेंटीना को विश्व कप खिताब दिलाने वाले 7 बार के 'बैलन डिओर' मेस्सी का यह अपने नये क्लब के लिए पांच मैचों में 8वां गोल था। मेस्सी ने मियामी के अपने सभी 5 मैचों में गोल किए हैं। जोसेफ मार्टिनेज ने 12वें और रोबर्ट टेलर ने 32वें मिनट में गोल किये। क्लब के लिए एडिल्सन मलांडा ने 78वें मिनट में आत्मघाती गोल किया। अब सेमीफाइनल में इंटर मियामी का सामना मेक्सिको के क्लब क्रूरेटारो से होगा जिन्होंने फिलेडेल्फिया यूनियन को 2-1 से हराया।

एक पोस्ट से करोड़ों की कमाई... खराबों पर कोहली की सफाई

मुंबई। इंस्टाग्राम हेडक्वार्टर की ओर से हाल ही में विराट कोहली, क्रिस्टियानो रोनाल्डो, लियोनेल मेसी, प्रियंका चोपड़ा सहित कई मशहूर लोगों के बारे में एक लिस्ट जारी हुई थी। जिसमें इन सभी दिग्गजों के एक इंस्टाग्राम पोस्ट से होने वाली आमदनी के बारे बताया गया था। लिस्ट में दावा किया गया था कि ये सभी एक पोस्ट से ही करोड़ों रुपए कमाते हैं। इन खबरों पर भारतीय क्रिकेटर कोहली ने सफाई दी है। विराट ने ट्वीट कर लिखा, जीवन में जो कुछ भी मिला है, उसके प्रति आभारी और ऋणी हूँ, लेकिन सोशल मीडिया पर मेरी कमाई के बारे में जो खबरें चल रही हैं वह सच नहीं हैं। विराट कोहली का यह ट्वीट वायरल हो रहा है। वहीं कई फैंस भी इस ट्वीट पर रिएक्शन दे रहे हैं। विराट सोशल मीडिया पर बहुत पॉपुलर हैं। उन्हें इंस्टाग्राम पर 25 करोड़ से अधिक लोग फॉलो करते हैं। वहीं ट्विटर पर उन्हें 5 करोड़ 70 लाख से अधिक लोग फॉलो करते हैं। इसके अलावा फेसबुक पर भी उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग हैं। यहां उन्हें 5 करोड़ से ज्यादा लोगा फॉलो करते हैं। कोहली के इस ट्वीट के बाद फैंस ने कमेंट करना शुरु कर दिया। कुछ यूजर्स ने कहा कि लग रहा है किंग कोहली को छापेमारी का डर सता रहा है। वहीं कुछ यूजर्स ने विराट के ट्वीट पर लिख दिया कि आपको मामले में इनकम टैक्स को टैग करना चाहिए था।

टीम को फाइनल में पहुंचाकर बोले हॉकी कोच फुल्टन- मैच के दौरान बाहर से कोचिंग नहीं करता

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने एशियाई चैम्पियंस ट्राफी (एसीटी) के सेमीफाइनल में जापान पर मिली जीत के बाद कहा कि वह मैच के दौरान बाहर से खिलाड़ियों को निर्देश देना पसंद नहीं करते और ट्रेनिंग के दौरान ही खिलाड़ियों ही जानकारी देने को तरजीह देते हैं। भारत ने शनिवार को यहां अंतिम चार में जापान को 5-0 से रौंद दिया और उसका सामना यहां खिताबी भिड़ंत के लिए मलेशिया से होगा।

जापान के खिलाफ बड़ी जीत के बाद फुल्टन ने कहा कि मैं मैच के दौरान बाहर से ज्यादा कोचिंग नहीं देता लेकिन ट्रेनिंग के दौरान काफी कोचिंग देता हूं। क्योंकि ट्रेनिंग के दौरान ही सिखाया जाता है। हो सकता है कि मैच के दौरान कुछ चीजें बदलनी हों लेकिन इस पर फैसला करना सीनियर खिलाड़ियों का ही काम है।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने भी टीम में फुल्टन द्वारा लाए गए बदलावों की प्रशंसा की। उन्होंने शुक्रवार को मैच के बाद कहा कि प्रत्येक कोच की मानसिकता अलग होती है। हमारे पहले के कोच काफी अच्छे रहे। यहां तक कि वह (फुल्टन) भी काफी अच्छे हैं। प्रत्येक कोच टीम की बेहतरी के बारे में सोचता है।

उन्होंने कहा कि वह अच्छा काम कर रहे हैं। हमने अपनी टीम में काफी संरचनात्मक बदलाव किये हैं और इतने कम समय में ये बदलाव लाना हमारे लिए काफी सकारात्मक चीज है। इसका पूरा श्रेय उन्हें जाता है। हरमनप्रीत ने साथ ही कहा कि फाइनल में सफलता के लिए रक्षात्मक पंक्ति का मजबूत रहना और मौकों को गोल में बदलना अहम होगा।

उन्होंने कहा कि फाइनल में पहुंचना बड़ी उपलब्धि है जो लीग मैचों की तुलना में पूरी तरह अलग होगा। हमारा प्रदर्शन अच्छा था और हम अपनी योजना के अनुसार खेले थे। हमने रणनीति के अनुसार मौके भी बनाए थे।

गुजरात सरकार जुटी 2036 के ओलंपिक की तैयारी में, तीन हजार घरों से बसेगा गोलंपिक गांव

अहमदाबाद। गुजरात सरकार ने अभी से 2036 के ओलंपिक की तैयारियां शुरु कर दी है। इसके लिए तीन हजार घरों का एक गांव बसाया जाएगा, जिसे गोलंपिक नाम दिया गया है। इसके साथ ही वे तमाम सुविधाएं भी जुटाई जाएंगी जो मेहमानों के लिए जरुरी होंगी। बता दें कि देश में पहले ओलंपिक खेल आयोजित करने के लिए गुजरात सरकार को मेजबानी का मौका मिला है। इसके लिए गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में एक हाई-लेवल मीटिंग हुई। इस मीटिंग में केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर भी वर्चुअली जुड़े। मीटिंग में 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने के लिए एक स्पेशल पर्पज व्हीकल (एसपीवी) बनाने का फैसला किया। इस एसपीवी का नाम गोलंपिक रखने का फैसला लिया गया। गुजरात सरकार अहमदाबाद में 2036 के ओलंपिक खेल आयोजित करना चाहती है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अगुवाई वाली सरकार इसके लिए अभी से अहमदाबाद में जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करना चाहती है, ताकि भारत में जब ओलंपिक खेलों की मेजबानी मिले तो उनका सफल आयोजन अहमदाबाद में सुनिश्चित हो सके। बैठक में निर्णय लिया गया कि सरकार 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी का हासिल करने के लिए गुजरात ओलं?पिक प्ला?निंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कारपोरेशन लिं. के तहत वैश्विक स्तर पर अपनी गतिविधियां करेगी। इसमें तय हुआ कि 2036 ओलंपिक खेलों के लिए ईओएल को इंटरनेशनल ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) के जमा किया जाएगा। बैठक में बताया कि सरदार पटेल स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स को ओलंपिक के आयोजन के हिसाब से डेवलपय किया जाएगा। इसमें तय हुआ कि ओलंपिक 2036 के लिए एक पूरा नया शहर बसाया जाएगा। इसमें तीन हजार घरों का एक भव्य गांव बनाया जाएगा।

भारतीय टीम के लिए शानदार फिनिशर की भूमिका निभा सकते हैं रिंकू सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने शुरुआती दिनों में काफी संघर्ष करने के बाद रिंकू सिंह इनदिनों इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दो बार के चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए अपने प्रदर्शन से काफी सुर्खियों में हैं। रिंकू ने घरेलू क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। जिससे उन्हें आगामी हांग्जो एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में नामित किया गया है। केकेआर के सहायक कोच अभिषेक नायर ने रिंकू को फिनिशर की भूमिका में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए समर्थन दिया है। नायर ने भारतीय टीम प्रबंधन को रिंकू को पर्याप्त मौका देने की सलाह दी। नायर ने कहा, कई खिलाड़ी हैं, जो इस हासिल कर सकते हैं। एक खिलाड़ी हैं रिंकू सिंह, जिन्होंने आईपीएल के 16वें संस्करण में केकेआर (कोलकाता नाइट राइडर्स) के लिए फिनिशर की भूमिका बहुत अच्छी तरह से निभाई थी। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में भी वह भूमिका निभाई है। लेकिन मेरी राय में रिंकू को अभी भी कुछ और समय की आवश्यकता होगी, उस समर्थन की आवश्यकता होगी। नायर ने मुंबई इंडियंस के लिए नंबर 4 पर और हाल ही में मेन इन ब्लू के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए युवा बल्लेबाजी सनसनी तिलक वर्मा की प्रशंसा की। नायर को भरोसा हैं कि रिंकू भी भारत के लिए निचले क्रम में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर सकता है और उन्होंने बताया कि इस छोटे बल्लेबाज को क्या खास बनाता है। पूर्व क्रिकेटर ने कहा, फिनिशर बनना बहुत कठिन है और यह जिम्मेदारी लेते समय आपको सफलता से अधिक असफलताएं मिलेंगी। इसके लिए बहुत अनुभव की आवश्यकता होती है।

युवी के बाद नंबर 4 पर कोई खिलाड़ी जगह नहीं बना पाया, रोहित ने जाहिर की अपनी चिंता

-श्रेयस अय्यर से उम्मीद...लेकिन वहां चोटिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 से ठीक पहले फिर टीम इंडिया के लिए नंबर-4 का सिरदर्द पैदा हो गया है। इस लेकर खुद कप्तान रोहित शर्मा ने भी अपनी चिंता जाहिर कर दी है। रोहित ने कहा है कि युवराज सिंह के संन्यास लेने के बाद भारतीय वनडे टीम में बैटिंग ऑर्डर में नंबर-4 पर कोई भी बैटर खास सफल नहीं हो सका। वर्ल्ड कप से पहले यह टीम के लिए अब एक बड़ा मामला बन चुका है।

बता दें कि वनडे विश्व कप में अब दो माह का समय बचा है, लेकिन भारत अब भी बैटिंग ऑर्डर में नंबर चार की पोजिशन के लिए उपयुक्त खिलाड़ी ढूंढ रहा है। इसके पहले 2019 के वर्ल्ड कप में भी भारतीय टीम के लिए यह स्थान बड़ा मसला बना हुआ था। इसी नंबर के माथापच्ची के कारण टीम इंडिया विराट कोहली की कप्तानी में 2019 विश्व कप नहीं जीत पाई थी। रोहित ने कहा, देखिए बैटिंग ऑर्डर में नंबर चार स्थान पिछले लंबे समय से एक मसला बना हुआ है। युवराज सिंह के संन्यास लेने के बाद कोई भी अन्य खिलाड़ी इस नंबर पर अपना स्थान पक्का नहीं कर पाया। ये युवी थे जिन्होंने धोनी की कप्तानी में नंबर-4 का मोर्चा संभाला था और टीम इंडिया को चैंपियन बनाया था।

इस पोजीशन पर बल्लेबाजी को लेकर रोहित ने कहा, पिछले कुछ समय से श्रेयस अय्यर नंबर चार पर बैटिंग कर रहा थे और उन्होंने अच्छा प्रदर्शन भी किया। दुर्भाग्य से चोटिल होने के कारण वह परेशानी में रहे। ईमानदारी से कहूं तब पिछले चार-पांच वर्षों से ऐसा हो रहा है कि कई खिलाड़ी चोटिल हो गए और इसके बाद नए खिलाड़ी को उस स्थान पर बैटिंग के लिए उतरना पड़ा। ऐसा नहीं है कि नंबर-4 पर टीम इंडिया के लिए किसी बल्लेबाज ने सफलता हासिल नहीं की है। कई खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने इस पोजीशन पर अपने बल्ले से आग बरसा चुके हैं। इसमें महान सचिन तेंदुलकर का नाम भी शामिल है।

नंबर-4 पर सबसे अधिक रन बनाने के मामले में मोहम्मद अरजहरुद्दीन हैं। अजहरुद्दीन इस पोजीशन पर टीम इंडिया के लिए 137 मुकाबलों में मैदान पर उतरे जिसमें उन्होंने 40.39 की औसत से 4605 रन बनाए हैं। दूसरा नाम युवराज सिंह का है। युवराज ने इस पोजीशन पर खेलते हुए 108 मैचों में 35.21 की औसत से 3415 रन बनाए हैं। पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ का भी नंबर-4 पर जमकर बल्ला बोला है। इस स्थान पर खेलकर द्रविड़ ने 102 मैचों में 36.27 की औसत से 3301 रन बनाए हैं। वहीं दिलीप वेंगसरकर ने 71 वनडे मैच में 2138 रन बनाए हैं। इस मामले में सचिन तेंदुलर भी कम नहीं हैं। सचिन ने भी नंबर-4 पर बल्लेबाजी करते हुए 38.85 की औसत से 2059 रन बनाए हैं।

वहीं अगर बात करें मौजूदा समय की तब साल 2019 के बाद टीम इंडिया के लिए सिर्फ चार ही बल्लेबाज हैं जिन्होंने 100 या इससे अधिक रन बनाए हैं। इसमें पहला नाम है श्रेयस अय्यर का। अय्यर ने 22 मैचों में कुल 805 रन बनाए। वहीं ऋषभ पंत के बल्ले से 11 पारियों में 360 रन बनाए हैं। जबकि केएल राहुल ने 4 पारी में 189 रन बनाए और ईशान किशन के नाम 4 पारियों में 106 रन दर्ज है।

भारत, ऑस्ट्रेलिया सहित ये चार टीमें पहुंचेंगी सेमीफाइनल में : सहवाग

नई दिल्ली। पांच अक्टूबर से शुरु हो रहे एकदिवसीय विश्वकप को लेकर अटकलों का दौर शुरु हो गया है। कई दिग्गज क्रिकेटर अपनी भविष्यवाणी कर रहे हैं कि कौन सी टीम सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। अब इसी कड़ी में टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने अपनी बात सामने रखी है। सहवाग ने भी अपनी पसंदीदा चार टीमों के नाम बताये हैं तो सेमीफाइनल में पहुंच सकती हैं। सहवाग ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत और पाकिस्तान की टीम इस बार सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। टॉप 4 में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया को शामिल करने का कारण भी उन्होंने बताया है। सहवाग का मानना है कि इन दोनों टीमों के खेलने का तरीका सामान्य है। यह गैरपारंपरिक शॉटों पर ज्यादा भरोसा करते हैं। इसके अलावा उनके पास एशियाई महाद्वीप में बेहतर करने की क्षमता है, जो इन्हें दुनिया की अन्य टीमों से थोड़ा अलग बनाती हैं। सहवाग से पहले पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा ने भी अपनी भविष्यवाणी में भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को ही शामिल किया था। इन सभी टीमों ने विश्वकप जीता है।

जाफर और इशांत बोले, विश्वकप में बुमराह निभा सकते हैं अहम भूमिका

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर और अनुभवी तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने कहा कि अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में जसप्रीत बुमराह अहम भूमिका निभा सकते हैं। बुमराह चोट और सर्जरी के कारण काफी समय से खेल से दूर हैं। अब हालांकि वह उबर गये हैं और रिहैब से गुजर रहे हैं। बुमराह अपने पुनर्वास के अंतिम चरण में है और उन्होंने नेट्स में अपनी गेंदबाजी फिर से शुरू कर दी है। जाफर के अनुसर बुमराह भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज हैं। अंतिम ओवरों में उनकी कमी टीम इंडिया का खल रही है। साथ ही कहा कि अगर वह वापसी पर उसी गति से गेंदबाजी करेंगे तो उनसे बेहतर कोई नहीं होगा। जाफर ने कहा, वह गेंदबाजी आक्रमण का एक बड़ा हिस्सा हैं। मुझे लगता है कि विश्व कप में उनकी बेहद अहम भूमिका होगी। हम उन्हें डेथ ओवरों की गेंदबाजी के लिए याद कर रहे हैं। इस साल हमें उनकी कमी खली है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में हमारा देश विश्व के मानचित्र पर ध्रुव तारे की भाँति चमक रहा है : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने माहेश्वरी सेवा समिति द्वारा अहमदाबाद में आयोजित 'समृद्धि ट्रेड फ़ेयर 2023' का शनिवार को उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता तथा हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा देकर महिला सशक्तिकरण का एक नया अध्याय आरंभ किया है। प्रधानमंत्री ने राज्य तथा राष्ट्र के विकास में महिलाओं के योगदान को महत्व दिया है। पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के इसी विचार को आगे बढ़ाने के लिए माहेश्वरी समाज द्वारा किया गया 'समृद्धि ट्रेड फ़ेयर 2023' का आयोजन अभिनंदनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की भावना से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत देश को दुनिया के मानचित्र पर इस प्रकार स्थापित किया है, जैसे आकाश में ध्रुव तारा चमक रहा हो। अहमदाबाद के शाहीबाग़ क्षेत्र में स्थित माहेश्वरी समाज भवन में 12 तथा 13 अगस्त तक दो दिनों के लिए इस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। माहेश्वरी समाज की वुमन विंग 'माहेश्वरी संगिनी' द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में गुजरात सहित अन्य राज्यों के कारीगरों द्वारा निर्मित कलात्मक वस्तुओं को विक्रय के लिए प्रस्तुत किया गया है। भूपेंद्र पटेल ने माहेश्वरी समाज की इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि सरकार के रूप में किसी भी भेदभाव के बिना प्रत्येक समाज के अच्छे कार्यों को प्रोत्साहित करना हमारा उत्तरदायित्व है। उन्होंने इस समाज के द्वारा दान करने की उदार प्रवृत्ति की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' जैसे आयोजनों के कारण जन-जन में राष्ट्र प्रेम की भावना देखने को मिल रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सदा-सर्वदा समाज के अंतिम छोर के लोगों को मुख्य धारा में जोड़ने का प्रयास किया है; जिसके परिणामस्वरूप अंतिम छोर के सुदूरवर्ती क्षेत्र के गाँवों में आज सड़क, पानी, बिजली, स्वास्थ्य एवं शिक्षा की गुणवत्तायुक्त सुविधाएँ पहुँची हैं। आज आदिवासी क्षेत्रों की महिलाएँ भी डॉक्टर तथा पायलट बन रही हैं। अंगदान के प्रति जागरूकता की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवार के सदस्य को खोने की स्थिति बहुत संवेदनशील होती है। ऐसे में यदि मृतक के परिजनों को समझाया जाए, तो अंगदान के ज़रिये अनेक लोगों को नया जीवन मिलता है। इस उद्घाटन समारोह में अहमदाबाद स्थित सिविल अस्पताल के किडनी विभाग के प्रमुख विनीत मिश्रा ने उपस्थित सभी लोगों को अंगदान की शपथ दिलाई। 'समृद्धि ट्रेड फ़ेयर 2023' के उद्घाटन अवसर पर विधायक श्रीमती दर्शनाबेन वाघेला तथा स्थानीय पार्षद और माहेश्वरी समाज के अग्रणी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कैरेटलेन ने स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष पर धमाकेदार ऑफर लॉन्च किया

सूरत भूमि, सूरत। इस बार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कैरेटलेन द्वारा एक खास ऑफर लांच किया जा रहा है। इस ऑफर के तहत हम अपने पुराने गोल्ड को एक्सचेंज करवा सकते हैं। गोल्ड की एक्सचेंज वैल्यू 110% होगी। यदि हम गोल्ड के बदले कोई भी डायमंड ज्वेलरी खरीदने हैं तो उसमें कोई भी डिडक्शन नहीं होगा। इसी के साथ स्वतंत्रता दिवस के ऑफर के रूप में 2500 से भी अधिक डिजाइन की डायमंड ज्वैलरी की खरीदारी पर 20% तक की छूट का ऑफर है। सूरत में कैरेटलेन अड़ाजन विस्तार के मंगलदीप कंपलेक्स में शॉप नं. 1 तनिष्क शोरूम के बाजू में उपलब्ध है। जहां ग्राहक जाकर कैरेटलेन द्वारा पेश किए गए सभी ऑफरो का फायदा ले सकते हैं। साथ ही आने वाली रक्षाबंधन के लिए भी कैरेटलेन द्वारा बहनों को उपहार स्वरूप देने के लिए काफी सारी नई डिजाइंस कलेक्शन (#GiftACaratLane) की पेशकश होने वाली है। यहां ग्राहक अपने पुराने गहनों को साफ भी करवा सकते हैं वह भी बिना किसी खर्च के मतलब मुफ्त में।

मुस्लिम समुदाय के तीन लोगों ने किया आत्महत्या का प्रयास

पोरबंदर। गांधी जी की जन्मभूमि पोरबंदर से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। मुस्लिम समुदाय के तीन युवकों ने जहर पीकर आत्महत्या का प्रयास किया। जहरीली दवाई पीने से पहले तीनों युवकों ने एक वीडियो बनाया और उसमें एक मौलाना के खिलाफ गंभीर आरोप लगाया है। वीडियो में शकील कादरी, सोहिल इब्राहिम परमार और इम्तियाज सिपाही ने आरोप लगाया कि 'राष्ट्रगीत को लेकर मौलाना वासिफ रजा समेत कुछ शख्स उन्हें धमकी दे रहे थे। मौलाना समेत ।-8 लोग तीनों युवकों को राष्ट्रगीत नहीं गाने की धमकी देते थे। इतना ही ये लोग हमें मुस्लिम समुदाय में बदनाम कर रहे थे। हमारे के खिलाफ फर्जी मामले दर्ज करवा रहे थे। जबकि हमने ऐसा कोई अपराध नहीं किया, इसके बावजूद ये लोग हमें परेशान कर रहे थे। शकील कादरी ने बताया कि कुछ दिन पहले मेरे मोबाइल पर मौलाना वासिफ रजा की वॉइस क्लीप आई। जिसमें कहा गया कि राष्ट्रगीत मत गाना और राष्ट्रीय ध्वज को सलामी भी मत देना। जिसके बाद मैं मौलाना के पास गया और इसकी वजह पूछी। तब मौलाना ने कहा कि किसीको राष्ट्रगीत नहीं गाना है और ना ही तिरंग को सलामी देनी है। अगर राष्ट्रगीत गाया और तिरंगे को सलामी दी तो समुदाय में तुम्हें बदनाम कर देंगे। गत शुक्रवार को मौलाना ने कहा कि तुम तीनों को पोरबंदर में नहीं रहने देंगे। उसकी भी वॉइस क्लीप मेरे पास है। शकील ने आरोप लगाया कि मौलाना समेत कुछ एक संस्था चलाते हैं, जिसमें आतंकी गतिविधियां सिखाई जाती हैं। मौलाना समेत उसके साथियों के आतंक के कारण हम तीनों आत्महत्या कर रहे हैं।' फिलहाल तीनों युवकों को अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। दूसरी ओर मौलाना का आरोप है कि इन तीनों ने मस्जिद में आकर मारपीट की थी और इनका एक ग्रुप है, जो हमें बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। ये तीनों सोशल मीडिया पर भी वीडियो वायरल करते थे। इनका आतंक काफी बढ़ने पर कीर्ति मंदिर पुलिस थाने में तीनों के खिलाफ रपट भी दर्ज करवाई थी। जिसे डायवर्ट करने के उद्देश्य से तीनों यह साजिश रची है। मौलाना ने कहा कि हमारे सभी सबूत हैं और पूरा मामला जांच का विषय है। पुलिस मामले की जांच करेगी तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

आतंकियों से मुकाबला करते शहीद हुए महिपालसिंह के घर लक्ष्मी जी पधारी

अहमदाबाद। कश्मीर में आतंकियों से मुकाबला करते हुए शहीद हुए जवान महिपालसिंह वाला की पत्नी ने पुत्री को जन्म दिया है। एक ओर महिपालसिंह के शहीद होने का परिवार में शोक है। ऐसे में घर में लक्ष्मीजी के आगमन से परिवार में हर्ष के आंसू छलक आए हैं। बेटी के जन्म से 10 पहले ही महिपालसिंह शहीद हुए थे। 2। वर्षीय महिपालसिंह वाला पत्नी की गोदभराई के वक्त घर आए थे। जिसके बाद वह देश सेवा के लिए रवाना हो गए थे। अंतिम बार 4 अगस्त को महिपालसिंह ने अपनी पत्नी के साथ बातचीत की थी और उनकी तबियत समेत परिवार के बारे में हालचाल पूछे थे। तब किसी ने नहीं सोचा होगा कि महिपालसिंह से यह अंतिम मुलाकात है। सुरेन्द्रनगर जिले के मोजिदडा गांव के मूल निवासी महिपालसिंह वाला पूर्वी अहमदाबाद के विराटनगर क्षेत्र में रहते थे। 15 अगस्त 1996 में जन्मे महिपालसिंह की बचपन से सेना में शामिल होने की इच्छा थी। कक्षा 12 तक पढ़ाई करने के बाद महिपालसिंह ने सेना में शामिल होने की कोशिशें शुरू की और आखिरकार उन्हें सफलता भी मिली। महिपालसिंह की पहली पोस्टिंग जबलपुर में हुई थी और उसके बाद चंडीगढ़। पिछले 6-8 सालों से महिपालसिंह जम्मू-कश्मीर में देश के लिए सेवारत थे। बता दें कि जम्मू-

कश्मीर के कुलगाम जिले के हलान क्षेत्र में आतंकियों के छिपे होने की सूचना पर सेना ने सर्च अभियान चलाया था, जिसमें कुलगाम पुलिस भी शामिल थी। 4 अगस्त की शाम अभियान के दौरान आतंकियों से भारतीय सेना के जवानों की मुठभेड़ हुई थी। जिसमें महिपालसिंह वाला समेत तीन जवान बुरी तरह घायल हो गए थे। घायल जवानों को अस्पताल ले जाया गया, जहां देर रात उनकी मौत हो गई थी। । अगस्त को महिपालसिंह वाला का पार्थिव देह अहमदाबाद लाया गया था और पूरे सैनिक सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

विद्यार्थियों में अनुसंधानात्मक दृष्टिकोण विकसित करने वाले विभिन्न आयामों का लोकार्पण

अहमदाबाद ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में विज्ञान भारती एवं विज्ञान गुर्जरी द्वारा विद्यार्थियों में अनुसंधानात्मक दृष्टिकोण विकसित करने वाले विभिन्न आयामों का शनिवार को लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अखिल भारतीय स्तर पर कार्यरत संस्था विज्ञान भारती की गुजरात इकाई का नाम विज्ञान गुर्जरी है। विज्ञान भारती तथा विज्ञान गुर्जरी स्वदेशी विज्ञान अभियान के संकल्प के साथ कार्य करने वाली संस्थाएँ हैं। विज्ञान गुर्जरी आत्मनिर्भर व विकसित भारत का सपना लेकर प्राचीन एवं आधुनिक विज्ञान के समन्वय के साथ कार्य कर रही है। इसके लिए विज्ञान गुर्जरी द्वारा वर्षभर अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विज्ञान गुर्जरी द्वारा शनिवार को आईआईटी, गांधीनगर में विभिन्न आयामों के लोकार्पण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, गांधीनगर के महापौर हितेश मकवाणा, विज्ञान भारती के राष्ट्रीय सचिव प्रवीण रामदास तथा विज्ञान गुर्जरी के गुजरात प्रांत अध्यक्ष डॉ. चैतन्य जोशी के मार्गदर्शन में संपूर्ण गुजरात से 800 से अधिक शोधकर्ताओं, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं विज्ञान भारती के कार्यकर्ताओं की टीम ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में भारतीय विज्ञान सम्मेलन 2023 के पोस्टर, विद्यार्थी विज्ञान मंथन, विज्ञान गुर्जरी इनोवेशन क्लब का लोकार्पण किया गया। इससे पहले 10 अगस्त को स्टूडेंट इनोवेशन फ़ेस्ट का आयोजन किया गया था, जिसमें विज्ञान गुर्जरी की गुजरात प्रांत टीम द्वारा एक ही दिन में 337 अलग-अलग स्कूल-कॉलेजों व यूनिवर्सिटियों में लगभग 337 विशेषज्ञ वार्तालाप आयोजित किए गए। इनमें समग्र गुजरात से 24 जिलों के 34,8 48 विद्यार्थियों ने भाग लिया। ऐसा करके विज्ञान गुर्जरी ने 'वर्ल्ड रिकॉर्ड्स इंडिया' में वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया। शनिवार को आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने विज्ञान गुर्जरी को वर्ल्ड रिकॉर्ड सर्टिफ़िकेट प्रदान किया; जिसे जिग्नेश बोरीसागर, हीरेन राजगुरु एवं श्वेता शाह ने स्वीकार किया। इसके अतिरिक्त, विज्ञान गुर्जरी ने समग्र गुजरात के विद्यार्थियों में अनुसंधानात्मक प्रवृत्ति को बढ़ाने के उद्देश्य से इनोवेशन क्लब स्थापित किया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने आगामी 28 से 30 अक्टूबर के दौरान विज्ञान भारती द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित होने वाले भारतीय विज्ञान सम्मेलन 2023 के पोस्टर का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर विज्ञान गुर्जरी इनोवेशन क्लब की टीम के अल्पेश भट्ट ने विद्यार्थियों को विज्ञान से जुड़े विभिन्न मॉडल एवं डेमो के बारे में जानकारी दी।

पूरे गुजरात में विशाल रक्तदान शिविर 15 को

सूरत भूमि, सूरत। श्री अग्रवाल विकास महासभा, गुजरात द्वारा स्वतंत्रता दिवस के मौक़े पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन अनेकों शहरों में अग्रवाल समाज के सहयोग से लगाया जाएगा । इस अवसर पर सूरत में चार अग्रवाल समाज सहित पूरे गुजरात में अहमदाबाद, नवसारी, सिलवासा, पालनपुर, डिसा, आनंद, गांधीधाम, राजकोट, उंझा, अंबाजी आदि जगहों पर ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया जायेगा ।

PrepMed - NEET उम्मीदवारों के लिए सबसे भरोसेमंद Edtech ब्रांड

PrepMed कोलकाता में NEET उम्मीदवारों के लिए सबसे भरोसेमंद Edtech ब्रांड है और यह भारत में सबसे लोकप्रिय Edtech ब्रांडों में से एक है जो मेडिकल प्रवेश परीक्षा (NEET-UG), NEET फाउंडेशन और बोर्ड परीक्षाओं के लिए समर्पित कोचिंग प्रदान करता है। यह डॉ देबज्योति कर के दिमाग की उपज है जिसका उद्देश्य पूरे भारत में हजारों एनईईटी उम्मीदवारों के सपने को पूरा करना है। न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बल्कि डॉक्टरों की टीम द्वारा एक-से-एक देखभाल और देखभाल भी छात्रों को NEET परीक्षा को क्रैक करने का सबसे आसान तरीका खोजने में मदद करती है।

PrepMed के संस्थापक के बारे में

डॉ देबज्योति कर प्रेपमेड के संस्थापक हैं जो एक प्रसिद्ध डॉक्टर, शिक्षक, उद्यमी, प्रेरक वक्ता हैं। डॉक्टरों की एक समर्पित टीम के साथ, उन्होंने इस ब्रांड PrepMed का निर्माण किया, जो प्रत्येक NEET उम्मीदवार से उनकी पिछली शैक्षणिक उत्कृष्टता के बावजूद परिणाम निकालने में विश्वास करता है और NEET पर ध्यान केंद्रित करने वाले कक्षा सातवीं से बारहवीं तक के सभी सामाजिक-आर्थिक स्तर के छात्रों के लिए पाठ्यक्रम तैयार किया है। यूजी परीक्षा. इसके अलावा शिक्षण के सरल लेकिन प्रभावशाली तरीके, वास्तविक समय की प्रेरणा और डॉक्टरों द्वारा व्यक्तिगत देखभाल PrepMed की अनूठी खूबियां हैं। भारत के विभिन्न कोनों से अत्यधिक अनुभवी एनईईटी विशेषज्ञ, संदेह समाधान विशेषज्ञ, दिमाग देखभाल विशेषज्ञ इस एड-टेक ब्रांड की अद्भुत सफलता के स्तंभ हैं।

प्रेपमेड क्या विश्वास करता है?

PrepMed ने पहले ही सभी बोर्ड परीक्षाओं, स्कूल परीक्षाओं के साथ NEET-UG में अपनी सफलता की मुहर लगा दी है। इसके साथ डॉ. देबज्योति और प्रेपमेड की उनकी टीम का मानना है कि "प्रौद्योगिकी के साथ छात्रों, अभिभावकों और प्रीपमेड की अकादमिक टीम और डॉक्टरों की एक भावुक टीम के त्रिकोणीय प्रयास से सफलता मिलती है"। हर साल, PrepMed छात्रों की स्क्रीनिंग के लिए और वंचित छात्रों को उनके मेडिकल सपनों को पूरा करने में मदद करने के लिए छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित करता है। PrepMed हमेशा अपने बुनियादी ढांचे को अद्यतन करने और अपने छात्रों और अभिभावकों से गुणवत्तापूर्ण प्रतिक्रिया बनाए रखने के लिए अपने ईंधन संसाधनों का निवेश करता है। वे सचमुच मानते हैं कि माता-पिता और छात्रों के प्यार, निरंतर समर्थन के कारण ही उनकी लोकप्रियता और समग्र सफलता ने एक अलग आयाम छुआ है।

कुख्यात चीकलीगर गैंग कानून के शिकंजे में, घरफोड़ चोरी की घटनाओं को देती थी अंजाम

सूरत।

सूरत क्राइम ब्रांच ने शहर के अलग अलग इलाकों वाहन और घरफोड़ चोरी की घटनाओं को अंजाम देनेवाली कुख्यात चीकलीगर गैंग को गिरफ्तार कर लिया। सूरत क्राइम ब्रांच ने पूर्व सूचना के आधार पर सूरत के भेस्तान गार्डन के निकट चीकलीगर गैंग के नानकसिंग उर्फ कुलदीपसिंह, बल्लेसिंह उर्फ जोगिन्दरसिंग रोशनसिंग टांक, ऋत्विकसिंह नानकसिंग उर्फ कुलदीपसिंह टांक, जगवीरसिंग उर्फ जशबीरसिंग राजेशसिंग टांक को धरदबोचा। आरोपियों से रु. 68 हजार कीमत के सोने के आभूषण, रु. 6715 कीमत के चांदी के आभूषण, 4 फोर कार, दो बाइक, 2 मोटर साइकिल, रु. 10 हजार नकद के अलावा रेनकोट, फेसमास्क, मंकी टोपी, बाल की विक, लोहे के ग्रीलकटर समेत रु. 4.8 4 लाख का माल-सामान जब्त कर लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी दिन के दौरान कार और मोटरसाइकिल पर रेकी करते और रात्रि के दौरान बंद मकान की कुंडी तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम देते थे।

चोरी घटना को अंजाम देने लिए चोरी का वाहन का उपयोग करते और उसके बाद उसे लावारीस हालत में छोड़ देते। अपनी पहचान छिपाने के लिए सिर विक और रेनकोट पहनते थे। चोरी के सोने-चांदी के आभूषण बैंक और फाइनांस कंपनी में गिरवी रखकर नकदर रुपए ले लेते। आरोपी नानकसिंग के खिलाफ घरफोड चोरी, स्नैचिंग और वाहन चोरी के भूतकाल में 31 मामले में दर्ज हैं और डेढ़ साल पहले ही वह जमानत पर रिहा हुआ है। जिसके बाद उसने अपने बेटे ऋत्विक और भतीजे जगवीरसिंग उर्फ जशबीरसिंग राजेशसिंग टांक को सूरत बुला लिया और घरफोड़ चोरी की घटना को अंजाम देने लगा। आरोपियों ने चोरी के आभूषण मुथुट फाइनां में गिरवी रखे हैं। इसके अलावा वंथली जूनागढ़ स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में 10 तोला सोना गिरवी रखी है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)